सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 338 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 21 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

रायपुर समेत 30 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम एक बार फिर करवट ले सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक रायपुर समेत प्रदेश के 30 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश और अचानक तेज हवा चलने की संभावना है। हवा की रफ्तार 30 से 40 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। प्रदेश में कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में भारी बारिश के भी आसार हैं। बारिश के साथ गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना भी जताई गई है। बंगाल की खाड़ी में बने लो-प्रेशर एरिया के आगे बढ़ने से प्रदेश में बारिश की एक्टिविटी अगले कुछ दिनों तक बनी रह सकती है। खासकर दक्षिण और मध्य छत्तीसगढ़ में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है।

गणेशोत्सव की भीड़ देख रायपुर में बदला ट्रैफिक प्लान

रायपुर। राजधानी में गणेश उत्सव के दौरान शहर में बढ़ रही श्रद्धालुओं और दर्शकों की भीड़ को देखते हुए पुलिस कमिश्नरेट ने ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया है। रिंग रोड-1 और रिंग रोड-2 से शहर की ओर आने वाले 19 प्रमुख एंट्री मार्गों पर मध्यम और भारी मालवाहक वाहनों का आना-जान 27 सितंबर तक सुबह 5 बजे से रात 2 बजे तक बैन रहेगा। लोगों की सुरक्षा और शहर में आने-जाने में परेशानी न हो, इसके लिए पुलिस कमिश्नर ने मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 115 के तहत मध्यम, भारी और हल्के मालवाहक वाहनों की एंट्री के समय में बदलाव किया है।

चिल्ड्रन एकेडमी स्कूल में चली गोलियां, शिक्षिका समेत दो की मौत

लखीमपुर खीरी। जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह चिल्ड्रेन अकडेमी स्कूल में बड़ी घटना घटित हुई, जिससे शहर में सनसनी फैल गई। स्कूल में सुबह करीब साढ़े 11 बजे गोलियां चली, जिससे एक महिला शिक्षक और युवक की मौत हो गई है। गोलीकांड से स्कूल में चीख-पुकार मच गई। मासूम बच्चे सहम गए। सूचना मिलते ही अधिकारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। स्कूल के बाहर लोगों की भीड़ जुट गई। अभिभावक भी पहुंच गए। शहर कोतवाल राजेश सिंह ने बताया कि घटनास्थल पर जांच की जा रही है। एसपी डॉ. ख्याति गर्ग भी मौके पर पहुंच गई हैं। फिलहाल जांच जारी है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में धक्का-मुक्की

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा हुआ। विपक्ष और सत्ता पक्ष के विधायकों ने नारेबाजी की। इस दौरान आपस में धक्का-मुक्की भी हुई। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में NHM कर्मचारियों के मुद्दे पर भाजपा विधायकों के विरोध के कारण हंगामा और धक्का-मुक्की हुई। हंगामे के बीच मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला सदन में अपनी बात रखते रहे। NHM कर्मचारियों ने पूरे J&K में विरोध प्रदर्शन किया है और वे नौकरी की पॉलिसी, नौकरी की सुरक्षा, रिटायरमेंट के फायदे, सामाजिक सुरक्षा, EPF कवरेज और अन्य लंबित मुद्दों की मांग कर रहे हैं।

नवा रायपुर में सजेगी तीज उत्सव की रंगत, प्रदेश की शीर्ष हस्तियों का होगा जमावड़ा

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में होगा आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-संस्कृति, आत्मीयता और पारंपरिक तिहारों की मिठास को सहेजने के उद्देश्य से नवा रायपुर में भव्य 'तीज मिलन उत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास तथा उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा की मेजबानी में यह गरिमामय उत्सव 22 सितंबर 2026, मंगलवार को दोपहर 12 बजे से संध्या 4 बजे तक एम.-12, सेक्टर-24, अटल नगर, नवा रायपुर में होगा।

छत्तीसगढ़िया अस्मिता और पारंपरिक पर्वों के संरक्षण व संवर्धन की दिशा में आयोजित इस विशेष समागम में प्रदेश की शीर्ष हस्तियों का जमावड़ा देखने को मिलेगा। छत्तीसगढ़ के विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह अपनी धर्मपत्नी वीणा सिंह और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपनी धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय के साथ विशेष रूप से उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। इसके साथ ही राज्य के कई मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक भी इस सांस्कृतिक संध्या के साक्षी बनेंगे।

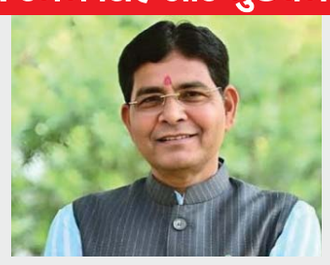

इस आयोजन के संदर्भ में मंत्री टंक राम वर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पर्व केवल धार्मिक या सांस्कृतिक अनुष्ठान नहीं हैं, बल्कि ये आपसी भाईचारे, प्रेम और सामाजिक समरसता की मजबूत बुनियाद हैं। इस तीज मिलन उत्सव का मूल उद्देश्य अपनी समृद्ध परंपराओं और छत्तीसगढ़िया संस्कृति की मिठास को आपस में बांटना तथा आने वाली पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़कर रखना है। इस अवसर पर पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजनों, लोक-संस्कृति के रंगों और तीजा पर्व के आत्मीय अनुष्ठानों का एक अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

छत्तीसगढ़ में 3000 से अधिक छात्र संख्या वाले कॉलेज बनेंगे 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस'

स्टूडेंट्स के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने 'छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा मिशन' की शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शैक्षणिक गुणवत्ता को शीर्ष पर ले जाने के लिए 3000 से अधिक छात्र संख्या वाले उत्कृष्ट कॉलेजों को चिन्हित कर 36 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके साथ ही, अध्यापन व्यवस्था को मजबूती देने के लिए प्राध्यापकों की सीधी भर्ती प्रक्रिया तेज कर दी गई है और उद्योग जगत के व्यावहारिक विशेषज्ञों को 'प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस' के रूप में परिसरों से जोड़ा जा रहा है।

उच्च शिक्षा अब केवल किताबों और कक्षाओं के पारंपरिक दायरे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राज्य के लाखों युवाओं के सपनों को नई उड़ान दे रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की मूल भावना को धरातल पर उतारते हुए राज्य सरकार युवाओं को केवल डिग्री देने के बजाय उन्हें आत्मनिर्भर, हुनरमंद और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने का अभूतपूर्व कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने 'सेवा का संकल्प' निभाते हुए शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 'छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा मिशन' की शुरुआत की है। इस मिशन के तहत महाविद्यालयों के ढांचागत और शैक्षणिक उन्नयन के लिए विशेष बजट बनाया है।

आधुनिक तकनीक से युवाओं का सशक्तीकरण

यह बदलाव केवल व्यवस्थागत नहीं, बल्कि हर उस युवा की 'कहानी बदलाव की' है जो कल तक केवल पारंपरिक विषयों तक सीमित था। स्वावित्तीय पाठ्यक्रम नीति के तहत अब स्थानीय और वैश्विक मांग के अनुसार युवाओं को तैयार किया जा रहा है। भविष्य में उपयोगी विभिन्न तकनीकों और कौशल को ध्यान में रखते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, वेब डिजाइनिंग जैसे विषयों को प्रमुखता से उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी तरह स्थानीय व कृषि-आधारित उद्योग के तहत रेशम कीट पालन, टसर टेक्नोलॉजी आदि पर भी फोकस किया जा रहा है।

वनांचल से शहरों तक उच्च शिक्षा की आसान पहुंच

सेवा आपके द्वार' की भावना से राज्य के अंतिम छोर पर स्थित आदिवासी और दूरस्थ वनांचल अंचलों में नए महाविद्यालय खोले जा रहे हैं। अब बस्तर और सरगुजा जैसे दूरदराज क्षेत्रों के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने लिंगराज मंदिर में की सपत्नीक पूजा-अर्चना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज भुवनेश्वर प्रवास के दौरान प्रसिद्ध भगवान लिंगराज मंदिर पहुंचकर सपत्नीक दर्शन-पूजन किया। मुख्यमंत्री ने विधि-विधान से भगवान लिंगराज की पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ के सभी नागरिकों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान लिंगराज के दर्शन और उनकी पावन भूमि पर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मंदिर परिसर की दिव्यता और आध्यात्मिक वातावरण मन को असीम शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है। उन्होंने भगवान लिंगराज से छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति तथा प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री साय ने लिंगराज मंदिर की भव्य स्थापत्य कला का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे प्राचीन मंदिर केवल आस्था के केंद्र ही नहीं, बल्कि भारत की हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता, संस्कृति और अद्भुत शिल्प परंपरा के जीवंत प्रतीक भी हैं। लिंगराज मंदिर की भव्यता और उत्कृष्ट वास्तुकला हमारी सनातन संस्कृति की समृद्ध विरासत का सुंदर दर्शन कराती है।

छत्तीसगढ़- 36 में से 20 कांग्रेस नेताओं का निष्कासन रद्द

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस पार्टी से बाहर निकाले गए 20 नेताओं का निष्कासन रद्द कर दिया गया है। अनुशासन समिति की बैठक में 36 निष्कासित नेताओं की घर वापसी पर विचार हुआ। जिनका निष्कासन रद्द किया गया है, उनमें कुकरेजा-डोंगरे समेत कई नेता शामिल हैं।

आदेश के बाद सभी संबंधित नेताओं के लिए पार्टी में दोबारा सक्रिय होने का रास्ता खुल गया है। पहली सूची में रायपुर, राजनांदगांव और मुंगेली के नेता शामिल हैं। रायपुर से आनंद कुकरेजा, पूनम पांडेय और विशाल रजानी का निष्कासन रद्द किया गया है। मुंगेली से पार्षद विनय चोपड़ा को भी राहत दी गई है।

गरियाबंद जिले से गोरेलाल सिन्हा, राधोवा महाड़िक, भविष्य प्रधान, ऋतिक सिन्हा और भानुप्रताप साहू का निष्कासन रद्द किया गया है। कोंडागांव से सुशील सोनी का नाम सूची में शामिल है। राजनांदगांव जिले के सबसे ज्यादा नेताओं को इस फैसले से राहत मिली है। यहां सगीर खान, सिद्धार्थ डोंगरे, राजेश गुप्ता, जितेश सिमनकर, सकूर चौहान, सुनीता सिन्हा, आशीष सोनकर और शशांक डोंगरे का निष्कासन रद्द किया गया है। इसके अलावा अंजू बंजारे और श्यामबती सिन्हा के नाम भी सूची में शामिल हैं।

एशियन गेम्स- भारत को 6 मेडल

शूटिंग में आए 5 : हिमांशु-रुद्रांश को मेंस 10 मीटर राइफल में सिल्वर-ब्रॉन्ज

नईदिल्ली। भारत ने जापान के नगोया में चल रहे एशियन गेम्स में 6 मेडल जीत लिए हैं। इनमें से 5 मेडल शूटर्स ने दिलाए। एक मेडल सुचिका तारियाल ने मिक्स्ड मार्शल आर्टस में दिलाया।

सोमवार को मेंस 10 मीटर राइफल इवेंट में हिमांशु ढिल्लों (252.4 अंक) ने सिल्वर और रुद्रांश पाटिल (230.9 अंक) ब्रॉन्ज जीते। चीन के शेंग लिहाओ (254.2 अंक) ने गोल्ड जीता। टीम इवेंट में भारतीय टीम 1890.1 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। इस टीम में पार्थ माने, रुद्रांक्ष पाटिल और हिमांशु ढिल्लों शामिल रहे। चीन (1899.9 अंक) पहले और कोरिया (1884.2 अंक) तीसरे स्थान पर रही।

भारत 10वें स्थान पर पहुंचा

भारत एशियन गेम्स की मेडल टैली में 10वें स्थान पर है। उसके खाते में अब 4 सिल्वर समेत 6 मेडल हैं। चीन 15 गोल्ड समेत 24 मेडल लेकर पहले स्थान पर है। जापान 6 गोल्ड समेत 23 मेडल के साथ दूसरे और साउथ कोरिया 4 गोल्ड समेत 17 मेडल के सहारे तीसरे स्थान पर है।

जामुल में हत्या : युवक ने मामा के दोस्त को पीट-पीटकर मार डाला

- शराब पार्टी के दौरान हुआ विवाद, मामा-भांजा गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के जामुल थाना क्षेत्र में रविवार देर शाम शराब पार्टी के दौरान विवाद के बाद एक युवक ने अपने मामा के दोस्त की हत्या कर दी। युवक ने ईंट व लोहे की बाल्टी से पीट-पीटकर मामा के दोस्त की जान ले ली। घटना की सूचना मिलते ही जामुल थाना पुलिस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में मामा और भांजे को हिरासत ले लिया गया है।

जामुल पुलिस मिली जानकारी के अनुसार जामुल के बाजार चौक स्थित ममता मेडिकल के पास रविवार देर शाम उतई-खोपली निवासी पुरन भारती अपने दोस्त मनीष बघेल और उसके भांजे राज जोशी के साथ बैठकर शराब पी रहा था। इसी दौरान पुरन भारती अपने दोस्त मनीष बघेल के साथ मजाक करते हुए गाली-गलौज करने लगा। इससे नाराज होकर राज जोशी ने घर में रखी ईंट और लोहे की बाल्टी से पुरन भारती के सिर पर कई बार वार कर दिया।

हमले में पुरन भारती गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के दोस्त मनीष बघेल ने जामुल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले में मामा मनीष बघेल और भांजे राज जोशी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दुर्ग शहर एएसपी शोभराज अग्रवाल ने बताया कि हत्या की सूचना मिलने पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम पहुंची थी। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

अफगानिस्तान पर पाक की एयरस्ट्राइक हवाई हमले में तीन की हुई मौत

- तालिबान ने दी जवाबी कार्रवाई की धमकी

काबूल ए.। अफगानिस्तान के उत्तर-पूर्वी कुनार प्रांत को निशाना बनाकर किए गए पाकिस्तानी हवाई हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, कई अन्य घायल हो गए। यह जानकारी टोलो न्यूज ने सोमवार को एक प्रांतीय अधिकारी के हवाले से दी गई है। माना जा रहा है कि यह सैन्य हमला उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में एक पुलिस स्टेशन परिसर में हुए आत्मघाती बम धमाके के जवाब में किया गया है। इससे यह आशंका बढ़ गई है कि पड़ोसी देशों के बीच तनाव एक बार फिर खुली लड़ाई में बदल सकता है। पाकिस्तान के संभावित हमलों से पहले, तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने इस्लामाबाद को चेतावनी दी थी।

बारिश के बीच घर के आंगन में हादसा, करंट लगने से बेटे की मौत, माता-पिता भी झुलसे

श्रीकंचनपथ न्यूज

जीपीएम। पेंड्रा क्षेत्र के दूरस्थ ग्राम खरड़ी में रविवार शाम बारिश के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। घर के आंगन में गीले कपड़े सुखाने के दौरान करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन लोग झुलस गए। हादसे में 16 वर्षीय किशोर किशन की मौत हो गई, जबकि उसके पिता विकेश सिंह बेहोश हो गए। मां रहमत बाई भी करंट के झटके से दूर जा गिरीं। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, रविवार शाम पेंड्रा क्षेत्र में तेज बारिश हो रही थी। ग्राम खरड़ी निवासी विकेश सिंह पडरिया स्थित खेत से काम कर घर लौटे थे। बारिश के कारण उनके कपड़े भीग गए थे। घर पहुंचने के बाद उन्होंने आंगन में कपड़े सुखाने के लिए लगाए गए तार पर गीला कपड़ा डालने का प्रयास किया। इसी दौरान तार में प्रवाहित करंट की चपेट में आने से विकेश को जोरदार बिजली का झटका लगा और वह बेहोश होकर गिर पड़े।

पति को आंगन में गिरा देखकर रहमत बाई उन्हें बचाने पहुंचीं। उन्होंने जैसे ही विकेश को पकड़ने का प्रयास किया, वह भी करंट की चपेट में आ गईं और बिजली के तेज झटके से दूर जा गिरीं। इसी दौरान उनका 16 वर्षीय बेटा किशन माता-पिता को अचेत अवस्था में देखकर मदद के लिए पहुंचा। वह भी करंट प्रवाहित तार के संपर्क में आ गया। करंट लगने से किशन की मौके पर ही मौत हो गई।

बाद में रहमत बाई को होश आया। आसपास के ग्रामीणों की मदद से लकड़ी के सहारे करंट प्रवाहित तार को हटाया गया। इसके बाद तीनों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद किशन को मृत घोषित कर दिया। उपचार के बाद विकेश को होश आ गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने किशन के शव का पंचनामा और पोस्टमार्टम कराया। आवश्यक कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे के बाद खरड़ी गांव में 16 वर्षीय किशन की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है

संपादकीय

असुविधाओं की रेल

साफ पानी और बुनियादी सुविधाएं तक नहीं

वैसे तो दावे किए जाते रहे हैं कि भारतीय रेलवे को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाया जा रहा है, लेकिन हकीकत निराश करने वाली है। विडंबना यह है कि तमाम मुश्किलों में सफर करने वाला यात्री शिकायत दर्ज कराने के बजाय अपने गंतव्य स्थान पर पहले पहुंचना चाहता है। जिसके चलते सभी खामियों के साथ भारतीय रेल ढर्रे पर ही चल रही है। पिछले महीने संसद में पेश कैग की रिपोर्ट में सैकड़ों रेलवे स्टेशनों में पेयजल व अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी का उल्लेख किया गया था। यहां तक कि पेयजल में स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले जीवाणु पाये जाने की बात कही गई थी।

> “ रिपोर्ट में कहा गया था कि 89 फीसदी स्टेशनों में बैठने की पर्याप्त जगह, पंखे, मार्गदर्शन करने वाले चिन्हों तथा शौचालय आदि बुनियादी सुविधाओं की कमी थी। कैग की रिपोर्ट की पुष्टि करती हुई लोक लेखा समिति ने भी अपनी पड़ताल में कई स्टेशनों में पेयजल, पंखे, बैठने के सुविधाजनक स्थान आदि पर्याप्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध न होने की बात कही है। समिति ने रेलवे अधिकारियों से जवाब मांगा है। यूं तो देश के कई रेलवे स्टेशनों को सजाने-संवारने का काम जरूर हुआ है, लेकिन कई स्थानों पर निर्धारित समय पूरा होने के बावजूद निर्माण कार्य अधूरा है। जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। क्या देश में कोई ऐसा नियामक तंत्र नहीं जो निर्माण कार्य करवाने वाली कंपनी के विरुद्ध कार्रवाई कर सके आधे-अधूरे निर्माण कार्य की गफलत में दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है।

यूं तो भारतीय रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा नेटवर्क है। लेकिन सुविधाओं के नाम पर हम कहां टिकते हैं? पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा के अभाव में यात्री ट्रेन के रुकने पर उतरकर स्टेशन पर भटकते नजर आते हैं। दुकानदार भी बोतलबंद पानी बेचने के लिये पेयजल व्यवस्था को बाधित करने का प्रयास करते देखे जाते हैं। किसी ट्रेन के जनरल डिब्बे में भेड़-बकरियों की तरह भरे यात्री कैसे सफर पूरा करते होंगे, अनुमान लगाना कठिन नहीं है। ट्रेन के भीतर शौचालयों की बुरी स्थिति देखकर यात्री मन मारकर उनका प्रयोग करते हैं। निश्चय ही रेलवे की निगरानी व्यवस्था खासी लचर है। ऐसा लगता है कि किसी की जवाबदेही ही तय नहीं हुई। वहीं बड़ी संख्या में यात्री भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं करते। यहां-वहां बिखरा कूड़ा इसकी गवाही देता है।

हमारे समाज में उस स्वच्छता चेतना का विकास नहीं हो पाया है, जो आजादी के आठवें दशक में हो जानी चाहिए थी। आखिर हम कब एक जिम्मेदार नागरिक की तरह रेलवे स्टेशनों व रेल के डिब्बों के भीतर साफ-सफाई रखना अपना कर्तव्य मानेंगे। लेकिन इसके बावजूद रेलवे को एक ऐसा जवाबदेह तंत्र विकसित करना होगा जो यात्रियों को बुनियादी सुविधा उपलब्ध करा सके। दरअसल, रेल मंत्रालय हासिल करने और अपने चुनावी क्षेत्र के लोगों को रेलवे में भर्ती करने को लेकर दशकों तक जो राजनीति चलती रही है, उसने भी किसी हद तक रेलवे व्यवस्था की गुणवत्ता को प्रभावित किया है। बहरहाल, अब यह तसवीर बदलनी चाहिए।

जल के लिए सहयोग

सामूहिक प्रयास का भारत का आह्वान

सी. आर. पाटिल,
केंद्रीय जल शक्ति मंत्री

जल हमें उन तरीकों से जोड़ता है, जिनमें बहुत कम अन्य संसाधन जोड़ पाते हैं। नदियाँ प्रशासनिक सीमाओं को नहीं पहचानतीं। भूजल के स्रोत कई समुदायों की जरूरतें पूरी कर सकते हैं। आज होने वाली बारिश कल पीने के पानी, सिंचाई, भूजल या नदी के प्रवाह का आधार बनती है। इससे एक सरल लेकिन महत्वपूर्ण सिद्धांत सामने आता है: जल एक साझा संसाधन है और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे सुरक्षित रखना हमारी साझा जिम्मेदारी है। इसी भावना के साथ भारत 22 से 26 सितंबर 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 9वें भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह में वैश्विक जल समुदाय का स्वागत करेगा। इसका आयोजन जल शक्ति मंत्रालय कर रहा है।

इस वर्ष की थीम है- जलवायु के प्रति लचीला जल प्रबंधन। जलवायु परिवर्तन के कारण जल चक्र लगातार अनिश्चित होता जा रहा है। ऐसे समय में यह विषय विशेष रूप से प्रासंगिक है। भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह केवल एक सम्मेलन नहीं है। यह ऐसा मंच है, जहाँ सरकारें, विशेषज्ञ, उद्योग जगत, समुदाय और अंतरराष्ट्रीय साझेदार अपने अनुभव, तकनीक और विचार साझा कर सकते हैं तथा भविष्य के लिए साझेदारियाँ बना सकते हैं।

इसका उद्देश्य जल क्षेत्र से जुड़े हालिया विभागीय शिखर सम्मेलन की भावना और उससे मिली सीख को भी आगे बढ़ाना है। इस सम्मेलन का विचार माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखा था। इसमें भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने एक साथ आकर जल क्षेत्र की चुनौतियों पर चर्चा की, अपने अनुभव साझा किए और आगे की राह तय करने पर विचार-विमर्श किया।

भारत इस संवाद में बड़े स्तर पर जल और स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं को लागू करने का व्यापक अनुभव लेकर आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण भारत में 15.9 करोड़ से अधिक घरों तक नल से पानी पहुँचाया गया है। वर्ष 2019 में ऐसे घरों की संख्या 3.23 करोड़ थी।

जल जीवन मिशन 2.0 का मुख्य उद्देश्य जलापूर्ति के बुनियादी ढाँचे को भरोसेमंद सार्वजनिक सेवा व्यवस्था में बदलना है। इसके तहत ग्राम पंचायतों और उनकी ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों (वीडब्ल्यूएससी) को ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति सेवाओं के संचालन, रखरखाव और निगरानी के लिए सशक्त बनाया जा रहा है। इन्हें स्थानीय स्तर पर छोटी जल सेवा इकाइयों के रूप में विकसित किया जा रहा है। 'जल सेवा आकलन' ग्राम पंचायत के नेतृत्व में की जाने वाली एक डिजिटल पहल है। इसके तहत हर घर जल वाले गाँवों में पीने के पानी की नियमितता, पर्याप्तता, गुणवत्ता और स्थिरता का आकलन किया जाता है। यह पहल बुनियादी ढाँचा तैयार करने से आगे बढ़कर लगातार बेहतर जल सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। इसमें जनभागीदारी के माध्यम से ग्राम पंचायतों और गाँव की संस्थाओं को आकलन की प्रक्रिया के केंद्र में रखा गया है। नमामि गंगे कार्यक्रम के माध्यम से भारत ने गंगा और उसकी सहायक नदियों को पुनर्जीवित करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है। इसमें सीवेज से जुड़े बुनियादी ढाँचे और प्रदूषण कम करने के प्रयासों के साथ-साथ नदी के पर्यावरण को बहाल करने, जैव विविधता के संरक्षण और लोगों की भागीदारी पर भी ध्यान दिया गया है।

इस कार्यक्रम के तहत 527 से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 367 पूरी हो चुकी हैं। इनके माध्यम से प्रतिदिन 4,263 मिलियन लीटर सीवेज के शोधन की क्षमता तैयार की गई है।

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण से भी एक महत्वपूर्ण सीख मिलती है। ग्रामीण क्षेत्रों में 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया है। इससे केवल बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ही नहीं हुआ, बल्कि हमारी माताओं और बहनों को सम्मान मिला है और लोगों के व्यवहार में बदलाव सुनिश्चित करने में भी मदद मिली है।

इस मिशन के दूसरे चरण में ठोस और तरल कचरे के प्रबंधन पर भी ध्यान दिया गया है। इसके तहत घरों और सामुदायिक स्तर पर इस्तेमाल के बाद निकलने वाले पानी यानी ग्रे-वॉटर के प्रबंधन के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं।

इन सभी योजनाओं में एक बात समान है- 'जनभागीदारी'। इसके पीछे यह विश्वास है कि सरकारी नीतियाँ तब सबसे अधिक प्रभावी होती हैं, जब लोग केवल योजनाओं के लाभार्थी न रहकर उनके सक्रिय भागीदार बनते हैं।

जल संरक्षण के हमारे प्रयासों में भी यही दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है। 'जल संचय जनभागीदारी' और 'कैच द रेन' (वर्षा जल संचयन) जैसे अभियानों के माध्यम से हमारा उद्देश्य जल संरक्षण को केवल सरकारी योजना तक सीमित न रखकर लोगों की आदत और जनआंदोलन बनाना है। जलवायु के अनुकूल जल प्रबंधन तभी सफल हो सकता है, जब स्थानीय लोग इसे समझें, इसे अपनी जिम्मेदारी मानें और इसे लंबे समय तक बनाए रखें। हाल ही में हमने 'कैच द रेन' अभियान का गीत भी जारी किया है।

भारत के अनुभव से यह भी सीख मिलती है कि जल संबंधी चुनौतियों का कोई एक समाधान नहीं हो सकता। हिमालयी राज्य की जरूरतें किसी सूखे क्षेत्र से अलग होती हैं। इसी तरह, तेजी से बढ़ते शहर की चुनौतियाँ ग्रामीण समुदाय की चुनौतियों से अलग होती हैं।

हमारे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विविध परिस्थितियों के कारण जल प्रबंधन का व्यापक अनुभव उपलब्ध है। इसमें भूजल का स्तर बढ़ाना, सिंचाई में पानी का बेहतर इस्तेमाल, पेयजल व्यवस्था का सामुदायिक प्रबंधन और इस्तेमाल किए जा चुके पानी का दोबारा उपयोग जैसे विषय शामिल हैं।

जब इन अनुभवों को साझा किया जाता है, तो स्थानीय स्तर पर सफल रहे समाधान उन क्षेत्रों तक भी पहुँच सकते हैं, जहाँ उनकी शुरुआत नहीं हुई थी। यही सिद्धांत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लागू होता है। जल सुरक्षा के सभी सवालों के जवाब किसी एक देश के पास नहीं हैं। हर देश के पास कुछ ऐसा अनुभव है, जिससे दूसरे देश सीख सकते हैं, और हर देश दूसरों से कुछ सीख सकता है।

इसलिए भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह का उद्देश्य किसी पर समाधान थोपना नहीं, बल्कि साझेदारी को बढ़ावा देना है। इसमें जल प्रबंधन, तकनीक, वित्तपोषण और जलवायु संबंधी जोखिमों से निपटने के वैश्विक अनुभवों के साथ भारत के अपने अनुभवों पर भी चर्चा होगी।

जल का प्रबंधन अलग-अलग करके नहीं किया जा सकता। जल सुरक्षा का सीधा संबंध खाद्य सुरक्षा, जनस्वास्थ्य, आजीविका, पर्यावरण सुरक्षा और सतत विकास से है।

इसीलिए भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह में नदी घाटियों और भूजल स्रोतों के प्रबंधन, इस्तेमाल किए जा चुके पानी के पुन: उपयोग, पानी के कुशल इस्तेमाल, मौसम एवं जल संबंधी पूर्वानुमान, समय रहते चेतावनी देने वाली प्रणालियों और नदियों में पर्यावरण के लिए आवश्यक जल प्रवाह जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

तकनीक इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बेहतर आँकड़ों, वैज्ञानिक मॉडलों और डिजिटल प्रणालियों की मदद से हम समझ सकेंगे कि पानी की उपलब्धता में किस तरह बदलाव हो रहा है, संभावित खतरों का पहले से अनुमान लगा सकेंगे और पानी का अधिक कुशलता से इस्तेमाल कर सकेंगे।

लेकिन तकनीक का सबसे अधिक लाभ तभी मिलता है, जब वह सरकारों, स्थानीय संस्थाओं और समुदायों को बेहतर निर्णय लेने में मदद करे। यही वजह है कि इस क्षेत्र में काम करने वाले लोगों, नए उद्यमों और युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

जल जीवन मिशन में किए जा रहे संस्थागत सुधारों के तहत 'सुजलम भारत' डिजिटल सार्वजनिक ढाँचे का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसका उद्देश्य आँकड़ों और तकनीक की मदद से बेहतर योजना बनाना, जल स्रोतों को टिकाऊ बनाए रखना, कामकाज की निगरानी करना और नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप शासन व्यवस्था को बेहतर बनाना है। बुनियादी ढाँचा तैयार करने से आगे बढ़कर भरोसेमंद जल सेवाएँ सुनिश्चित करने का यह बदलाव भारत की ऐसी जल व्यवस्था बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो चुनौतियों का सामना कर सके, जवाबदेह हो और भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार हो। चुनौतियों के बढ़ते स्तर के साथ जल क्षेत्र में वित्तपोषण के तरीकों को भी बदलना होगा। सरकारी निवेश की भूमिका बुनियादी बनी रहेगी। लेकिन जलवायु के अनुकूल जल ढाँचे के निर्माण के लिए नए वित्तीय तरीकों, जिम्मेदार निजी भागीदारी और ऐसी साझेदारियों की भी जरूरत होगी, जो सार्वजनिक हित को केंद्र में रखते हुए संसाधन जुटा सकें।

इसी के साथ, स्वस्थ नदियाँ, आर्द्रभूमियाँ, भूजल स्रोत और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र भी हमारे जल संबंधी बुनियादी ढाँचे का हिस्सा हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा का स्वरूप अधिक अनिश्चित हो रहा है। कहीं बहुत तेज बारिश हो रही है, कहीं लंबे समय तक सूखा पड़ रहा है, तो कहीं बाढ़ और भूजल पर दबाव जैसी समस्याएँ सामने आ रही हैं।

इन चुनौतियों का सामना करने के लिए जल स्रोतों को टिकाऊ बनाए रखना, बेहतर वैज्ञानिक जानकारी और पूर्वानुमान, परिस्थितियों के अनुसार ढलने वाला बुनियादी ढाँचा, मजबूत संस्थाएँ और जागरूक समुदाय जरूरी हैं। यही भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह का व्यापक उद्देश्य है। इसके माध्यम से नेतृत्व, विज्ञान, योजनाओं का क्रियान्वयन, तकनीक, वित्त और जनभागीदारी को एक साझा मंच पर लाया जाएगा।

22 से 26 सितंबर तक भारत मंडपम भारत के जल क्षेत्र के अनुभवों और दुनिया भर के जल संबंधी ज्ञान का केंद्र बनेगा। हम बड़े स्तर पर योजनाओं को लागू करने से मिले अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार हैं। साथ ही, हम दूसरों के अनुभवों को सुनने और उनसे सीखने के लिए भी उतने ही तत्पर हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण जल चक्र अधिक अनिश्चित हो सकता है, लेकिन हमारा जवाब अनिश्चित नहीं होना चाहिए। हमारा प्रयास सामूहिक, वैज्ञानिक, समावेशी और निरंतर होना चाहिए।

चाहे गाँव का तालाब हो, भूजल का स्रोत हो, नदी घाटी हो या बदलती हुई वैश्विक जलवायु- सबसे एक ही सीख मिलती है: जल हम सभी को जोड़ता है। जल के भविष्य को केवल सरकारें सुरक्षित नहीं कर सकतीं। न ही कोई एक संस्था या देश अकेले ऐसा कर सकता है।

जल हमारा साझा संसाधन है। जल सुरक्षा हमारी साझा जिम्मेदारी है। हम सभी को मिलकर आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी की एक-एक बूंद सुरक्षित करनी होगी और प्रधानमंत्री के विकसित भारत@2047 के संकल्प को साकार करने में अपना योगदान देना होगा।

(लेखक केंद्रीय जल शक्ति मंत्री हैं)

दु:ख को लेकर हमारी समझ भी समय के साथ बदलती गई है

रीटा कोठारी

कभी-कभी कोई फिल्म, फिल्म न रहकर एक देश बन जाती है, जहां हम चले जाते हैं अनजाने में, सुनते हुए, गुनगुनाते हुए। एक ऐसी ही यात्रा हो गई, जब यह गाना जेहन में बस सा गया- 'न मिलता गम तो बर्बादी के अफसाने कहां जाते, अगर दुनिया चमन होती तो वीराने कहां जाते।' अगर दु:ख न होते तो ट्रैजेडी का स्वरूप कैसे बनता? साहित्य की समृद्धि तो दु:ख भरी दास्तानों से हुई है।

हालांकि, हम कैसे और क्यों दु:ख सहते हैं, इसकी समझ पुराने जमाने और आज के दौर में अलग-अलग है। आधुनिकता हमें हम पर थोपे गए दु:ख के प्रति नाराज होना सिखाती है, और हम जल्दी ही इसके पीछे किसी जिम्मेदार कारण या कर्ता को खोजने लगते हैं। गाने के बोल आगे जाते इस तरह से हैं- 'मुबारक गैर को खुशियां, मुझे गम से मोहब्बत है।'

दु:ख का भी अपना औचित्य होता है; और हमें इसे एक गरिमा के साथ सहना होता है। दु:ख बहुत निजी होता है- वह पूरी तरह अपना होता है- लेकिन खुशी को बेगाना बनाकर दु:ख को एक डिग्निटी (गरिमा) मिलती है। फिल्मों के गाने अक्सर हमें पुराने जमाने की याद दिलाते हैं। जब दु:ख को एक ऐसी स्थिति के तौर पर देखा जाता था, जो हमें जिंदगी के बारे में गहरी बातें सिखाती थी। आज के दौर में, जब हम हर हाल में खुश रहने की कोशिश करते हैं, तो यह बात अजीब लगती है कि कोई दु:ख में भी मुक्ति देख सकता है। हम शायद इसे आत्मकरुणा समझकर नजरअंदाज कर दें।

फिल्म 'अमर' (1954) न सिर्फ अपने कुछ गानों, बल्कि उसमें दिखाई नैतिक हिम्मत की वजह से भी अनोखी है। इसका शुरुआती गाना, 'इंसाफ का मंदिर है ये, भगवान का घर है', अदालत और मंदिर को एक ही स्तर पर रखता है। यह बताता है कि न्याय कानूनी ही नहीं, नैतिक मामला भी है। यह मंदिर को भी सिर्फ पवित्रता ही नहीं, न्याय की जगह के तौर पर भी दिखाता है। न्याय का सफर मुश्किल है और कहानी भारी कीमत चुकाकर इसे पूरा करने की कोशिश करती है।

मुख्य किरदार अमरनाथ न्याय पर जोर देने में कभी पीछे नहीं हटता। उसे अपनी सोच से मेल खाने वाली साथी अंजू मिलती है। दोनों अमीर, मजाकिया और अपने काम के प्रति समर्पित हैं, और उनके माता-पिता चाहते हैं वे शादी कर लें। पर इस आदर्श स्थिति के बीच अन्याय की एक छिपी हुई कहानी भी है। एक रात अमर, सोनिया (निम्मी) के साथ जबर्दस्ती करता है, जो किसी दूसरे दरिंदे से बचने के लिए उसके घर पनाह लेने आई थी। कहानी अपराधी को उसके कृत्य के लिए जिम्मेदार ठहराती है- अदालत और मंदिर दोनों जगह न्याय होता है, और नैतिक व्यवस्था फिर कायम होती है। अंजू की जगह सोनिया, अमरनाथ की पत्नी बनती है। हालांकि कहानी हमें न्याय मिलने का संतोष देती है, लेकिन सोनिया के दु:ख को बताने वाला गाना भी उतना ही जटिल है, जो फिल्म को एक परिष्कृत नजरिया देता है।

नीचे लिखी पंक्तियां इस बात को बखूबी बयां करती हैं कि कैसे हमारे 'अपने' पराये हो जाते हैं : 'चलो अच्छा हुआ अपनों में कोई गैर तो निकला, अगर होते सभी अपने तो बेगाने कहां जातेज्।' शकील बदायूंनी के इस गाने में सिर्फ दु:ख-दर्द ही नहीं, रिश्तों का एक पूरा ताना-बाना है और यह भी दिखता है कि कोई व्यक्ति 'अपना' या 'बाहरी' (गैर) कैसे बनता है। यहां 'गैर' शब्द पर ध्यान देना जरूरी है।

अंग्रेजी में 'स्ट्रेंजर' और 'आउटसाइडर' जैसे शब्दों का मतलब 'गैर' से अलग होता है। 'स्ट्रेंजर' (अजनबी) वह व्यक्ति है, जिसे हम नहीं जानते और कई गानों में 'अजनबी' का जिक्र मिलता है। इसी तरह, 'आउटसाइडर' (बाहरी व्यक्ति) का मतलब आम तौर पर किसी दूसरे देश या गांव के व्यक्ति से होता है। इसलिए 'परदेसी' शब्द का मतलब है किसी दूसरी जगह या दूसरी संस्कृति का व्यक्ति। हालांकि, 'गैर' का मतलब है 'अपना न होना'। 'गैर' के बारे में हम ऐसे व्यक्ति के तौर पर सोच सकते हैं, जिसे हम सच में नहीं जानते, या फिर ऐसा व्यक्ति जो 'अपना' नहीं रहा। हम किसी के साथ बनी नजदीकी को अचानक खत्म नहीं कर सकते; यानी हम अचानक किसी ऐसे व्यक्ति को 'अनजान' नहीं मान सकते, जिसे हम बहुत अच्छी तरह जानते रहे हैं, लेकिन हम यह सोच सकते हैं कि क्या हम सच में उन्हें जानते थे। जब कोई 'अपना' ही 'गैर' बन जाता है, तो उलझन पैदा होती है कि आखिर एक भरोसेमंद इंसान कैसे कोई और बन गया। कभी-कभी दु:ख और उलझन में ज्यादा फर्क नहीं होता और गैर भी दहलीज पर खड़ा होता है, जो न अनजाना है न पूरी तरह से अपना है। बहरहाल, हम उस गैर के शुक्रगुजार हैं- 'तुम्हीं ने गम की दौलत दी, बड़ा एहसान फरमाया, जमाने भर के आगे हाथ फैलाने कहां जाते?'

पहले दु:ख को ऐसी स्थिति के तौर पर देखा जाता था, जो हमें जिंदगी के बारे में गहरी बातें सिखाती थी। आज जब हम हर हाल में खुश रहने की कोशिश करते हैं, तो यह बात अजीब लगती है कि कोई दु:ख में भी मुक्ति देख सकता है। हम इसे आत्मकरुणा भी समझ सकते हैं।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

मायका नदियों का

गगन शर्मा

मायका यानी मां का घर। साधारणतया इसका ताल्लुक इंसानों से खासकर महिलाओं से होता है। वह घर जहां बच्चियां जन्म लेती हैं, बड़ी होती हैं, कार्य-कुशलता प्राप्त करती हैं और फिर समय आने पर विवाहोपरांत अपने ससुराल यानी पति के घर चली जाती हैं। जाहिर है इस घर से यानी मायके से उनका नाता जुड़ा ही रहता है। तीज-त्योहार-उत्सवों के अलावा भी गाहे-बगाहे वे वहां आती-जाती रहती हैं।

बच्चों को लेकर जाने की बात हो या फिर किसी खास बुलावे पर। या फिर भाई-बहन के किसी त्योहार को लेकर। महिलाओं का मायका आना-जाना लगा रहता है। आजकल तो कामकाजी युवा भी जो लंबे समय तक बाहर रहते हैं, घर आने पर मायका शब्द का इस्तेमाल करने लगे हैं।

यह तो हुई इंसानी मायके की बात। आइये अब करते हैं जीवनदायिनी नदियों की बात। क्या नदियों का मायका भी होता है? इस सवाल का जवाब है, जी हां। हमारे देश में मध्य प्रदेश एक ऐसी जगह है, जिसे नदियों का मायका कहलवाने का सौभाग्य प्राप्त है। यहां से लगभग 6 बड़ी और करीब 14 मध्यम व छोटी नदियां निकलती हैं। यहां से निकलने वाली प्रमुख नदियां हैं, नर्मदा, चंबल, ताप्ती, सोन, क्षिप्रा, बेतवा, केन, तवा, काली सिंध, कूनो इत्यादि। इन नदियों का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व तो है ही इसके साथ ही इनका मध्य प्रदेश के निवासियों के लिए बहुत बड़ा आर्थिक योगदान भी है। यही कारण है कि इस राज्य को नदियों का मायका कहा जाता है।

विडंबना यह है कि महिलाओं का विवाहोपरांत अपने ससुराल में रचने-बसने और उपनाम बदल जाने के बावजूद भी अपने मायके से नाता नहीं टूटता। अपनी जिंदगी भर वे वहां आती-जाती रहती हैं। पर नदियों के साथ ऐसा नहीं है, वे एक बार जो अपने मायके से निकलीं तो दोबारा उधर का रुख नहीं कर पातीं। उनके नसीब में सिर्फ आगे की ओर बहना लिखा होता है, लौटना नहीं। पर वे बहते-बहते भी लाखों-करोड़ों प्राणियों की खुशहाली, जीविका का साधन व धरती माता के जीवन के आधार का निरपेक्ष भाव से वायस बनती चली जाती हैं।

इस दुनिया में करीब डेढ़ लाख नदियां बहती हैं, जिनमें छोटी-बड़ी मिलाकर तकरीबन दो सौ प्रमुख नदियां हमारे देश में लोगों को जीवन प्रदान करती हैं। मायके से निकलने के बाद जनहित में ये कभी भी पीछे मुड़ कर नहीं देखतीं। ऐसी जीवनदायिनी, प्रभु की अमूल्य भेंट के प्रति हमारा भी कर्तव्य बनता है कि हम इनका ख्याल रखें। इनका सम्मान करें। यदि कुछ न भी कर सकें तो कम से कम इन्हें 'व्यथित' तो न करें। इन नदियों की पवित्रता का ध्यान रखें।

टूटती मर्यादाओं व नैतिक पराभव से सिसकती इंसानियत

सुरेश सेठ

भौतिकवाद की अंधी होड़ और घटती संवेदनाओं ने समाज को गहरे संकट में डाल दिया है। मर्यादाओं की सीमारेखा लांघने और नैतिक पतन के कारण आज मानवीय रिश्ते और इंसानियत दम तोड़ रही है। मान्यता रही है कि अगर मानवीय मूल्यों को शिरोधार्य किया जाए, तो यह जिंदगी स्वर्ग ही बन जाए। विडंबना है कि आज अंध भौतिकवाद के चलते सुख-सुविधाएं जुटाने की अंधी दौड़ में मानवता का पराभव, आदर्शों का पतन और हर गैर-कानूनी काम को कानूनी बना देने की होड़ शुरू हो गई है। आर्थिक संपन्नता के लिए हमने मर्यादा, नैतिकता और सच्चरित्रता को बिसार दिया है। क्षणिक सुख के लिए हम वह सब कर गुजरने को तैयार हो जाते हैं, जिसकी कल्पना हमारे पूर्वजों ने भी नहीं की होगी।

आज के दौर में सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण और साहित्य व ललित कलाओं से जीवन में नवस्फुरण पैदा कर देना बीते युग की बात हो गई है। आज जो अमर्यादित है, वही इस युग की पहचान बनता जा रहा है। जब लोगों के सामने यह सच्चाई खुलकर आती है, तो मानवता शर्मसार होती नजर आती है।

इन दिनों पंजाब और देश के अन्य हिस्सों में कुछ ऐसी अमानवीय घटनाएं घटी हैं, जिन्होंने इंसानियत को शर्मसार कर दिया है। हाल ही में पंजाब के बठिंडा जिले के गांव भाई बख्तौर में एक हृदयविदारक घटना सामने आई। यहां फसल खराब होने से परेशान होकर किसान सौदागर सिंह ने सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली थी। मृतक किसान ने अर्थराइटिस के कारण टाइटेनियम धातु से बने कृत्रिम घुटने लगवाए थे। हृदयहीनता की हद तो तब हो गई, जब अंतिम संस्कार के पश्चात अस्थियां चुनने के बहाने एक नशेड़ी ने चिता से वे कृत्रिम घुटने चुराए और थैले में डालकर भागने लगा। हालांकि, परिवारवालों की सतर्कता के कारण उसे मौके पर ही पकड़ लिया गया। सवाल यह उठता है कि आखिर हमारी मानवीय संवेदनाएं कहां चली गई हैं? यह इतनी निकृष्ट हरकत है जो यह सोचने पर मजबूर कर देती है कि चोर अब चिताओं को भी नहीं बख्श रहे हैं।

वहीं असम के गुवाहाटी से भी एक ऐसी वीभत्स घटना सामने आई है, जिसके बारे में कोई सामान्य इंसान सोच भी नहीं सकता। यहां एक युवक ने अपनी 25 वर्षीय पत्नी रिया तालुकदार की बेरहमी से हत्या कर दी। उसने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए पत्नी का सिर धड़ से अलग कर दिया और दोनों हाथों की उंगलियां काटकर फ्रिज में छिपा दीं। मृतका का बिना सिर का शव फ्लैट में ही पड़ा रहा। जब उस बंद फ्लैट से असहनीय बदबू आने लगी, तो पड़ोसियों की शिकायत पर पुलिस ने दरवाजा तोड़ा। पुलिस ने मौके से शव बरामद कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। ये ऐसी घटनाएं हैं, जिनके बारे में सोचकर ही मन सिहर उठता है और अंतरात्मा बेचैन होकर रह जाती है। आखिर हम किस समाज की रचना कर रहे हैं? यह केवल संवेदनहीनता की बात नहीं, बल्कि पारिवारिक रिश्तों के पूरी तरह बिखर जाने की दास्तान है। उदाहरण के लिए, एक लाचार पिता मृत्युशैया पर पड़ा था और उसके दो बेटे विदेश में थे। उन बेटों ने आपस में यह निर्दयी फैसला किया कि एक भाई पिता की बीमारी के समय जाएगा और दूसरा उनके दाह-संस्कार पर। इस बीच पिता की मृत्यु हो गई, लेकिन दोनों में से कोई भी नहीं आया; बस अंतिम संस्कार के खर्च के लिए पैसे भिजवा दिए गए। जिन माता-पिता ने अपनी जीवनभर की कमाई लगाकर और अपनी जमीन-जायदाद बेचकर बच्चों को सुनहरे भविष्य के लिए विदेश भेजा था, आज पीछे छूटे खाली मकान उन रिश्तों की बाट जोह रही हैं।

अब इस विकट समस्या का स्थायी समाधान तलाशना बेहद जरूरी हो गया है। आज विदेशों में भी भारतीय युवा पीढ़ी का पहले जैसा स्वागत नहीं किया जाता। वहां के स्थानीय लोग इन्हें कम वेतन पर काम करने और अपनी नौकरियां छिनने का जिम्मेदार मानते हैं। यही वजह है कि अब हर देश उन्हें वापस भेजने के रास्ते तलाश रहा है। ऐसी विषम परिस्थितियों में भारत जैसे सर्वाधिक युवा आबादी वाले देश को आत्मनिर्भर बनना ही होगा। दुर्भाग्य से, यह बात राजनेताओं द्वारा केवल चुनावी मंचों से ही कही जाती है। युवा यथोचित रोजगार न होने से विदेशों की ओर दौड़ रहे हैं। फलत: भारत 'बुजुर्गों का देश' बनाता जा रहा है।

सरकार की ओर से युवाओं को रोज़गार देने के बड़े-बड़े दावे किए गए। नई शिक्षा नीति को रोज़गारपरक बनाने, देश को डिजिटल रूप से सशक्त करने और कृत्रिम मेधा के शिखर पर पहुंचाकर नए अवसर पैदा करने की बातें तो कही गईं। लेकिन ये सब महज़ कागज़ी सपने ही साबित हुए। रोज़गार विहीनता के दलदल में फंसा युवा वर्ग नशे और निठल्लेपन की ओर बढ़ रहा है। यही सामाजिक और आर्थिक भटकाव अंतत: उन्हें उन अमानवीय और घिनौने कृत्यों की ओर धकेल रहा है। सवाल यह उठता है कि खोखले दावों और नैतिक पतन का यह जानलेवा माहौल आखिर कब और कैसे बदलेगा?

लेखक साहित्यकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

आनंद सरोवर दुर्ग में दिल्ली से पहुंचे 42 महाराज कुमार

दुर्ग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में ओम शांति रिट्रीट सेंटर, दिल्ली से 42 भाइयों का शुभागमन हुआ। छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए इन भाइयों का ब्रह्माकुमारी बहनों एवं स्थानीय भाई-बहनों ने आत्मीयता और गर्मजोशी से स्वागत किया। ओम शांति रिट्रीट सेंटर की विशेषता बताते हुए कहा गया कि यहां सेवा में समर्पित भाई-बहन ज्ञान, योग एवं आध्यात्मिक मूल्यों को अपने जीवन में धारण कर विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी गुलजार जी, ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी तथा ब्रह्माकुमारीज के पूर्व महासचिव ब्रह्माकुमार बृजमोहन भाई जी के विशेष मार्गदर्शन में इन सभी ने अपने जीवन को ज्ञान, योग एवं मूल्यों से विशेष बनाया है। आगंतुक भाइयों का पुष्प एवं पट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं भाइयों ने ब्रह्माकुमारीज दुर्ग की संचालिका रीटा दीदी एवं रूपाली दीदी का शाल पहनाकर सम्मान किया।

प्रियदर्शनी परिसर : अंडरब्रिज के नीचे गंदे पानी से राहगीर परेशान

भिलाई। प्रियदर्शनी परिसर अंडरब्रिज के नीचे जमा गंदा पानी और गंदगी से स्थानीय लोग परेशान हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यहां नियमित सफाई नहीं होती। उनका आरोप है कि केवल तब सफाई कराई जाती है जब पास के एक राजनीतिक कार्यालय में कोई काम होता है, अन्य समय अंडरब्रिज के आसपास बदबू और कीचड़ बना रहता है। राहगीरों को फिसलन और असुविधा का सामना करना पड़ता है, वहीं दोपहिया चालकों के लिए स्थिति और भी जोखिम भरी हो जाती है। नागरिकों का कहना है कि यह रास्ता जनप्रतिनिधियों और नगर प्रशासन के लिए भी आवागमन का प्रमुख मार्ग है, फिर भी समस्या पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। स्थानीय लोगों ने मांग की कि नालियों की सफाई, पानी की निकासी और नियमित स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्र में स्वास्थ्य जोखिम न बढ़े।

सेक्टर-6 : ए मार्केट में कचरा फैला, लोगों को बदबू से समस्या हो रही

भिलाई। सेक्टर-6 ए मार्केट के पास कचरा फैला हुआ है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यहां नियमित सफाई नहीं होती है। स्थानीय पार्षद को भी कई बार यहां डस्टबीन रखने के लिए कहा गया है। लेकिन इसके बाद भी वे ध्यान नहीं दे रहें है। कचरे के कारण यहां बीमारी फैलने का खतरा है। जिम्मेदारों से मांग है कि जल्द ही इस जगह की सफाई करवाई जाए। नहीं तो गंदगी और बदबू के कारण बीमारी फैलने में देर नहीं लगेगी। यहां से आम लोगों का भी गुजरना इसी कारण से मुश्किल हो रहा है।

मेरे सपनों का भारतः चित्रकला अभियान में बच्चों ने दिखाई रचनात्मकता, चित्रों में दिखा विकसित भारत का सपना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक सेवाकाल के अवसर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में मेरे सपनों का भारत' विषय पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस क्रम में शासकीय तिलक कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, आत्मानंद शासकीय बोरसी स्कूल एवं आदर्श कन्या शाला शासकीय विद्यालय सहित निगम क्षेत्र के विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश एवं नगर निगम कमिश्नर लीना कोसम के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग और नगर निगम के समन्वय से आयोजित प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी कल्पनाओं और रचनात्मक सोच को चित्रों एवं भाषणों के माध्यम से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों की चित्रकारी में विकसित भारत की परिकल्पना की सुंदर झलक देखने को मिली।

बच्चों ने अपने चित्रों और भाषणों के माध्यम से स्वच्छ भारत, पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान एवं तकनीक, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत, देश की एकता, सामाजिक सौहार्द, भारतीय संस्कृति और विकसित राष्ट्र जैसे विषयों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया। बच्चों की रचनात्मकता ने यह संदेश दिया कि वे अपने सपनों के भारत को स्वच्छ, आत्मनिर्भर, आधुनिक और सशक्त राष्ट्र के रूप में देखना चाहते हैं।

इसी क्रम में शासकीय तिलक कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं द्वारा नमो सेवा अनकही कहानियां' संगीतमय नाटक एवं नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी गई। छात्राओं ने अपनी प्रभावी प्रस्तुति के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया और लोगों को स्वच्छ एवं सुंदर शहर बनाने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता में शामिल विद्यार्थियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन देश की जनता की सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित रहा है। विद्यार्थियों ने भारत के विकास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए।

डेटा विश्लेषण एवं शोध में बौद्धिक संपदा अधिकार संरक्षण पर तीन दिवसीय कार्यशाला का सफल समापन

शोधार्थियों को दिया उन्नत डेटा विश्लेषण का प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय वी.वाई.टी. पीजी स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग ने शोध एवं अकादमिक क्षमता विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए डेटा विश्लेषण एवं शोध में बौद्धिक संपदा अधिकार संरक्षण विषय पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन किया। जूलॉजी विभाग द्वारा आईक्यूएसी एवं आईआईसी के तत्वावधान तथा रूसा के प्रायोजन में आयोजित इस कार्यशाला में विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं विभिन्न विभागों के प्रतिभागियों को समकालीन शोध की आवश्यकताओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

कार्यशाला के अंतिम दिवस डेटा एनालिसिस पर विशेष अकादमिक सत्र आयोजित किया गया। इसमें राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2026 से सम्मानित डॉ. राजीव चौधरी, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर रिसोर्स पर्सन के रूप आमंत्रित थे।

उन्होंने प्रतिभागियों को डेटा के संगठन, उपयुक्त सांख्यिकीय विधियों के चयन, ग्राफिकल प्रस्तुतीकरण, परिणामों की व्याख्या तथा शोध डेटा की प्रकृति के अनुसार उपयुक्त विश्लेषणात्मक उपकरणों के चयन के बारे में जानकारी दी। तकनीकी एवं प्रायोगिक सत्र में प्रतिभागियों को डेटा विश्लेषण के व्यावहारिक पहलुओं तथा विश्लेषणात्मक उपकरणों के उपयोग से अवगत कराया गया। इस व्यावहारिक दृष्टिकोण ने प्रतिभागियों को यह समझने में सहायता की कि सुव्यवस्थित एवं उचित रूप से विश्लेषित डेटा किस प्रकार विश्वसनीय और सार्थक शोध निष्कर्षों तक पहुँचने में सहायक होता हैद्य

कार्यशाला की विशेष उपलब्धि यह रही कि इसमें शोध पद्धति, डेटा विश्लेषण और बौद्धिक संपदा अधिकार जैसे परस्पर जुड़े हुए अकादमिक क्षेत्रों को एक ही मंच पर समाहित किया गया। इससे प्रतिभागियों को शोध की संपूर्ण प्रक्रिया को अधिक व्यापक दृष्टिकोण से समझने का अवसर मिला। विशेषज्ञों के साथ संवादात्मक सत्रों में प्रतिभागियों ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से अपनी शोध संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया।

कार्यशाला के आयोजन को महाविद्यालय की शोध एवं नवाचार-उन्मुख अकादमिक गतिविधियों को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया। प्राणी शास्त्र विभाग द्वाराद्ध आयोजित यह पहल विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, शोध-कौशल, डेटा-आधारित निर्णय क्षमता तथा बौद्धिक संपदा के प्रति जागरूकता विकसित करने में सहायक रही।

कार्यशाला के दौरान अर्जित ज्ञान एवं कौशल विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को अपने अनुसंधान कार्यों को अधिक व्यवस्थित ढंग से करने, अपने डेटा का वैज्ञानिक तरीके से विश्लेषण करने, अपने नवाचारी विचारों की सुरक्षा करने तथा आधुनिक डिजिटल तकनीकों का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने में सहायक सिद्ध होंगे।

कार्यशाला के समापन अवसर पर संयोजक एवं प्राणीशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या के. मिंज ने तीन दिवसीय कार्यशाला का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अंतिम दिवस के सत्र का समन्वय शोधार्थी सुश्री प्राची चंद्राकर एवं सुश्री संध्या सिंह ने किया। सहायक प्राध्यापक डॉ. नीरू अग्रवाल ने आभार व्यक्त किया।

कार्यशाला के सफल आयोजन में जूलॉजी विभाग की डॉ.ऊषा साहू, डॉ. नीरू अग्रवाल, डॉ. मौसमी डे, डॉ. अलका मिश्रा ,डॉ. संजू सिन्हा , सुदेश साहू , अनुराग मिश्रा, गोपाल राम एवं प्रीति चंद्राकर,का महत्वपूर्ण योगदान रहा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जूलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष एवं कार्यशाला संयोजक डॉ. दिव्या के. मिंज तथा विभागीय टीम ने कार्यशाला का सुव्यवस्थित संचालन किया।

प्रतिबंधित प्लास्टिक के खिलाफ सख्ती इंदिरा मार्केट की पांच दुकानों पर कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर निगम कमिश्नर लीना कोसम के निर्देश पर जनजागरूकता अभियान के साथ-साथ स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। निगम प्रशासन द्वारा बाजार क्षेत्रों में प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं डिस्पोजल के उपयोग, बिक्री और भंडारण पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

इसी क्रम में निगम के अतिक्रमण विभाग एवं बाजार विभाग की संयुक्त टीम द्वारा इंदिरा मार्केट बाजार क्षेत्र में दुकानों का निरीक्षण कर प्रतिबंधित प्लास्टिक की जांच की गई। कार्रवाई के दौरान पांच दुकानों में प्रतिबंधित प्लास्टिक पाए जाने पर संबंधित दुकान संचालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई।

जांच के दौरान जैन प्लास्टिक से 1,200 रुपये, गोयल डिस्पोजल से 1,000 रुपये, संजय प्लास्टिक से 1,000 रुपये, हरिराम प्लास्टिक से 700 रुपये तथा पंकज ट्रेडर्स से 1,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। इस प्रकार निगम की टीम द्वारा पांच दुकानदारों से कुल 4,900 रुपये की जुर्माना राशि वसूल की गई। कार्रवाई के दौरान निगम की टीम ने सभी संबंधित दुकानदारों को स्पष्ट रूप से समझाइश दी कि प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग, बिक्री अथवा भंडारण नहीं किया जाए।

टीम ने चेतावनी दी कि भविष्य में दोबारा प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग अथवा बिक्री करते पाए जाने पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई एवं जुर्माना लगाया जाएगा।

निगम प्रशासन ने शहर के सभी व्यापारियों एवं दुकानदारों से अपील की है कि वे प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं डिस्पोजल का उपयोग न करें तथा स्वच्छता नियमों का पालन करते हुए पर्यावरण संरक्षण में निगम का सहयोग करें। निगम की टीम द्वारा बाजार क्षेत्रों में निरीक्षण एवं चालानी कार्रवाई का यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जवाहर नवोदय विद्यालय, बोरई में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' संकल्प अभियान संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मेरा युवा भारत, जिला दुर्ग के तत्वावधान में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत सेवा संकल्प अभियान के तहत जवाहर नवोदय विद्यालय, बोरई में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों को पौधा भेंट कर किया गया। प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर नशा मुक्त भारत के लिए चलाए जा रहे 100 सप्ताह के विशेष अभियान के अंतर्गत यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक कर उन्हें नशा मुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु प्रेरित करना था।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री शंकर प्रसाद एवं मेरा युवा भारत, दुर्ग के अधिकारी श्री क्षितिज की गरिमामय उपस्थिति रही। कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। छात्रों ने नशामुक्ति विषय पर स्लोगन

लेखन, भाषण, कविता पाठ, नुक्कड़ नाटक एवं सेमिनार के माध्यम से नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी, दुर्ग द्वारा विद्यार्थियों को मेरा युवा भारत पोर्टल के उद्देश्यों, युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों तथा VBYLD (विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग) के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने विकसित भारत 2047 के संकल्प में युवाओं की भूमिका एवं नेतृत्व क्षमता पर प्रकाश डाला।

अदिति मानव कल्याण सेवा समिति ने समाजसेवी संगीता शर्मा को किया सम्मानित, सामाजिक और संस्कृति संरक्षण पर हुआ मंथन

3 बार 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' से सम्मानित संस्था की सचिव संगीता शर्मा के सेवा कार्यों की हुई सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अदिति मानव कल्याण सेवा समिति, मरोदा (भिलाई) द्वारा समाज के विविध क्षेत्रों में निरंतर उत्कृष्ट योगदान देने वाले समाजसेवियों के सम्मान एवं आगामी कार्ययोजना को लेकर एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया।

समिति पिछले कई वर्षों से निर्धन कन्या विवाह, पर्यावरण संरक्षण हेतु सघन पौधारोपण, प्राकृतिक आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत व सहयोग, नशा उन्मूलन, नारी शक्ति जनजागरण, अनाथ व वृद्धजनों की सेवा तथा छत्तीसगढ़ की विलुप्त होती लोक-संस्कृति को सहेजने एवं बढ़ावा देने की दिशा में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रही है।

इस अवसर पर 3 बार 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में दर्ज हो चुकी प्रतिष्ठित संस्था 'रूपाली महतारी गुड़ी बहुउद्देशीय संस्था' की सचिव एवं मीडिया प्रभारी के रूप में विगत 12 वर्षों से समर्पित भाव से सेवारत समाजसेवी श्रीमती संगीता शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। समिति द्वारा उनके उल्लेखनीय सामाजिक योगदान की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक सरोकारों व रिकॉर्ड स्तर के उत्कृष्ट कार्यों में उनका समर्पण संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणादायी है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से संयोजक सूरज साहू (रेड ड्रॉप), रमन साहू, विक्रम कौशिक, प्रवीण खिलाड़ी, ऋषि कुमार, सुधीर गायकवाड़ एवं सह-संयोजक राम कुमार एवं 'रूपाली महतारी गुड़ी बहुउद्देशीय संस्था' की अध्यक्ष शांता शर्मा भी उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने एकजुट होकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुँचाने, नशामुक्ति, पर्यावरण संवर्धन और छत्तीसगढ़ी संस्कृति के संरक्षण हेतु अभियानों को और अधिक गति देने का संकल्प लिया।

श्रमिक नेता शंकर गुहा नियोगी के जन्मदिन पर बड़ें आंदोलन की तैयारी में सफाई कर्मी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्रमिक नेता शहीद शंकर गुहा नियोगी व शहीद ए आजम भगत सिंह के जन्मदिवस पर 28 सितंबर को भिलाई सहित छत्तीसगढ़ के सफाई कामगार मंत्रालय कूच की तैयारी में हैं। सफाई कामगारों की विभिन्न मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा मजदूर कार्यकर्ता समिति, नगरीय निकाय जनवादी सफाई कामगार यूनियन, मेहनतकश आवास अधिकार संघ, महिला मुक्ति मोर्चा व प्रगतिशील युवा संघ के तत्वाधान में रायपुर तुता से मंत्रालय चलो का आह्वान किया गया है।

इस संबंध में रविवार को मजदूर संघठनों के प्रतिनिधियों द्वारा प्रेस वार्ता ली गई। इस दौरान श्रमिक नेताओं मेहनतकश मजदूरों व सफाई कामगारों पर अफसरों व ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे शोषण के बारें में बताया। प्रेसवार्ता के दौरान श्रमिक नेता मनोज कोसरे व कलादास डहरिया ने आगामी 28 सितंबर के कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से बताया। श्रमिक नेताओं ने कामगारों से आह्वान किया करते हुए कहा कि अपने हक के लिए रायपुर तुता से मंत्रालय तक चलो। इसके लिए श्रमिक नेता शहीद शंकर गुहा नियोगी व शहीद ए आजम भगत सिंह के जन्मदिवस 28 सितंबर का दिन चुना गया है। श्रमिक नेताओं ने

कहा है कि सरकारें लगातार ऐसे कानून और नीतियाँ बना रही हैं, जिनका फायदा मजदूरों और आम जनता से ज्यादा पूंजीपतियों और बड़े उद्योगपतियों को मिल रहा है। पूरा तंत्र पूंजीपतियों के पक्ष में खड़ा दिखाई देता है। मजदूर को उसके काम का वाजिब हक और सम्मानजनक मजदूरी नहीं मिलती। ठेकेदार अपनी मनमानी करता है और कहता है -जो मिल रहा है, उसी में खुश रहो, वरना काम से निकाल दिए जाओगे। और जब मजदूर अपने हक के लिए संगठित होकर आवाज उठाता है, तो उसकी आवाज दबाने की कोशिश की जाती है। संघर्ष करने वाले मजदूरों को बदनाम किया जाता है, डराया जाता है और कई बार जेल तक भेज दिया जाता है। संगवारी हो, यह कैसी व्यवस्था है? सुई से लेकर हवाई जहाज तक, सड़क से लेकर बड़ी-बड़ी इमारतों तक, फैक्ट्री से लेकर मोटर-कार तक-हर निर्माण और हर उत्पादन के पीछे मजदूर का पसीना है। मजदूर के बिना कोई कारखाना नहीं चल सकता, कोई सड़क नहीं बन सकती, कोई शहर नहीं बस सकता। लेकिन विडंबना यह है कि देश बनाने वाला यही मजदूर आज सबसे ज्यादा हाशिए पर है। सुरक्षा उपकरणों के बिना जान जोखिम में डालकर काम करना पड़ता है। ठेकेदारों की दादागिरी और मनमानी चरम पर है। गाली-गलौज, धमकी और नौकरी से निकाल देने का डर रोजमर्रा की बात बन गई है। क्या सफाई मजदूर इंसान नहीं है? क्या उनके परिवार को सम्मान से जीने का अधिकार नहीं है? हम पूछना चाहते हैं-जो मजदूर पूरे शहर को साफ रखता है, उसकी जिंदगी इतनी गंदी और असुरक्षित क्यों रखी गई है ? अब चुप रहने का समय नहीं है। इसीलिए इस वर्ष हम 11 सूत्रीय मांगों को लेकर रायपुर तुता पहुंचेंगे।

इन मांगों को लेकर मंत्रालय कूच की है तैयारी

1. मजदूरों को जीने लायक न्यूनतम वेतन रूपये 26000/- निर्धारित करो।
2. सफाई मजदूरों को सभी आवश्यक सुरक्षा उपकरणों सहित नियमित करो।
3. पूर्व के श्रम कानूनों को सशक्त कर प्रभावी ढंग से लागू करो और चारों श्रम संहिताओं को रद्द करो।
4. हॉस्पिटल सेक्टर सहित सभी शहरी गरीब बस्तियों को उजाड़ना बंद करो।
5. हसदेव अरण्य सहित छत्तीसगढ़ के जंगलों का विनाश बंद करो।
6. एसीसी सहित सभी सीमेंट प्लांटों में सीमेंट वेज बोर्ड लागू करो।
7. किसानों के लिए एमएसपी गारंटी कानून पास करो।
8. भारत-अमेरिका ट्रेड डील से बाहर आओ।
9. शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार दो।
10. 57 हजार शिक्षकों की भर्ती करो।
11. मजदूरों, किसानों, महिलाओं, छानें और नौजवानों के ज्वलंत सवालों का तत्काल समाधान करो। संगवारी हो !

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर

मुख्यमंत्री साय ने ओडिशा के सीएम माझी से की सौजन्य भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ओडिशा प्रवास के दौरान भुवनेश्वर में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से उनके निवास पर सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच छत्तीसगढ़ और ओडिशा के आपसी सहयोग, विकास एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ और ओडिशा पड़ोसी राज्य होने के साथ ही सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से भी एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। दोनों राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के बीच भी आत्मीय संबंध हैं। विकास और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर दोनों राज्यों के बीच बेहतर समन्वय से नागरिकों को लाभ मिलने के साथ ही पूरे क्षेत्र की प्रगति को भी नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता बनी राजेन्द्र का सहारा

बलरामपुर। जिला के ग्राम पस्ता के छोटी जोत के किसान राजेन्द्र प्रसाद को फरवरी 2026 में तेज कमर दर्द की शिकायत हुई। अम्बिकापुर में उपचार के बाद भी राहत नहीं मिलने पर परिजन उन्हें रायपुर के बालको हॉस्पिटल ले गए। जांच में मल्टीपल मायलोमा नामक कैंसर की पुष्टि हुई। लगभग 15 लाख रुपये के उपचार का खर्च सुनकर परिवार के सामने बड़ी आर्थिक चुनौती खड़ी हो गई। ऐसे समय में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना उनके लिए सहारा बनी। योजना के अंतर्गत सहायता मिलने से बालको हॉस्पिटल में उनका उपचार शुरू हुआ और लगभग 15 लाख रुपये का पूरा उपचार निःशुल्क हुआ। परिवार को अपनी जेब से एक भी रुपया खर्च नहीं करना पड़ा। उपचार के बाद राजेन्द्र प्रसाद स्वस्थ होकर अपने गांव लौट आए हैं।

चक्रधर समारोह की छठवीं सांस्कृतिक संध्या का दुर्ग लोकसभा सांसद बघेल ने किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। जिले में आयोजित 41वें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह की छठवीं सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने दीप प्रज्वलन कर किया। समारोह में पहुंचने से पहले उन्होंने रामलीला मैदान परिसर में भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने महाराजा चक्रधर की छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने समारोह में शामिल कलाकारों एवं प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए सांसद श्री बघेल ने कहा कि चक्रधर समारोह में शामिल होना उनके लिए पहला अवसर है। उन्होंने कहा कि महाराजा चक्रधर सिंह ने संगीत, संस्कृति, परंपरा और कलाकारों को एक सूत्र में पिरोने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उनके प्रयासों से कला और संस्कृति को नई पहचान मिली तथा कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का सशक्त मंच मिला।

उन्होंने कहा कि चक्रधर समारोह आज चार दशक से अधिक समय से निरंतर कला और संस्कृति की परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले कलाकार अपनी-अपनी लोक एवं शास्त्रीय कलाओं के माध्यम से भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को एक मंच पर प्रस्तुत करते हैं। अलग-अलग भाषा, बोली, खान-पान और परंपराओं के बावजूद कला और संस्कृति देशवासियों को एक सूत्र में जोड़ती है।

सांसद श्री बघेल ने महाराजा चक्रधर सिंह के वंशज एवं समारोह से जुड़े परिवार तथा आयोजन समिति को इस सांस्कृतिक परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे कलाकारों, कवियों, पत्रकारों एवं समारोह में उपस्थित कला प्रेमियों का छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर स्वागत किया।

सांसद श्री बघेल ने लोकप्रिय गीत 'मोर संग चलो रे' के सुमधुर गायन से उपस्थित जनसमुदाय को विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए मिलजुलकर आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रसिद्ध कवि सुरेन्द्र शर्मा, राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, उर्वशी देवी सिंह, एसएसपी शशिमोहन सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधि, मौजूद थे।

सामाजिक सरोकारों पर हास्य कवि सुरेन्द्र शर्मा ने सुनाई चुटीली रचनाएं : लगे ठहाके

श्रीकंचनपथ समाचार

- 40 वर्षों की साहित्यिक यात्रा के अनुभवों से सजी प्रस्तुति
- अन्य कवियों ने भी गीत, वीर रस और व्यंग्य से बांधा समां

रायगढ़। 41 वें चक्रधर समारोह की छठवीं सांस्कृतिक संध्या में शनिवार को आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का मुख्य आकर्षण पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा रहे। अपनी विशिष्ट हास्य-व्यंग्य शैली के लिए देशभर में प्रसिद्ध श्री शर्मा ने जीवन, समाज और बदलते परिवेश पर आधारित रचनाओं से श्रोताओं को देर रात तक खूब गुदगुदाया। रामलीला मैदान में लगातार ठहाके और तालियां गूंजती रहीं।

करीब 40 वर्षों से कवि सम्मेलन के मंच पर सक्रिय पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा ने अपनी रचनाओं के माध्यम से हास्य के साथ जीवन के गहरे संदेश भी दिए। उन्होंने कहा कि जिंदगी में कितनी भी ताकत और ऊंचाई हासिल कर लें, अकड़ना नहीं चाहिए। उनकी प्रस्तुतियों में हास्य के साथ सामाजिक सरोकार और जीवन के अनुभवों की झलक दिखाई दी। देश की मिट्टी और भारतीय संस्कृति की खुशबू को देश-विदेश तक पहुंचाने वाले श्री शर्मा की प्रस्तुति का दर्शकों ने भरपूर आनंद लिया।

हास्य कवयित्री श्रीमती शशि सुरेंद्र दुबे ने बेटियों के महत्व और महिलाओं के सशक्तिकरण पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि बेटियां सुख-दुख में परिवार के साथ मजबूती से खड़ी होती हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि हंसी निर्मल, निष्पक्ष और निर्दोष होनी चाहिए। अपनी हास्य-व्यंग्य प्रस्तुतियों से उन्होंने श्रोताओं को खूब गुदगुदाया।

कवि सम्मेलन की शुरुआत वीर रस की कवयित्री श्रीमती कविता तिवारी ने मां सरस्वती की वंदना से की। उन्होंने युवाओं और बेटियों को लेकर ओजपूर्ण रचनाएं प्रस्तुत करते हुए नारी सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश दिया। 'कोख में न मारो, बापू बेटी है तुम्हारी' जैसे भावों से सजी उनकी रचनाओं ने श्रोताओं को भावुक किया। गांधारी पर आधारित उनकी कविता ने भी खूब प्रभाव छोड़ा।

गीतकार किशोर तिवारी ने 'नया सूरज के नवा अंजोर', 'हरिहर धनिया' और 'राम-राम बबा जोहार बूढ़ी दाई' जैसे गीतों से छत्तीसगढ़ी माटी और लोकजीवन की खुशबू बिखेरी।

वहीं डॉ. प्रवीण शुक्ला ने अपने चिर-परिचित हास्य अंदाज में सामाजिक विसंगतियों पर व्यंग्य करते हुए श्रोताओं को खूब हंसाया। 36 वर्षों से कवि सम्मेलन के मंच पर सक्रिय डॉ. शुक्ला की 27 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उज्जैन के हास्य कवि डॉ. दिनेश दिग्गज ने भी अपनी व्यंग्य रचनाओं से माहौल में हास्य का रंग घोला। वहीं गीतकार अमन अक्षर ने सुंदर और भावपूर्ण गीतों से कवि सम्मेलन की शाम को सुरमय बनाया। विभिन्न रसों और शैलियों से सजी प्रस्तुतियों ने छठवीं सांस्कृतिक संध्या को यादगार बना दिया।

चक्रधर समारोह में कबड्डी का रोमांच, 25 टीमों ने दिखाया दम

मोती महल परिसर में तीन दिवसीय जिला स्तरीय महिला-पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता, आज फायनल मुकाबला

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त 41वें चक्रधर समारोह में इस बार कला-संस्कृति के साथ खेल प्रतिभाओं को भी मंच मिल रहा है। रायगढ़ के मोती महल परिसर में 19 सितंबर से शुरू हुई तीन दिवसीय जिला स्तरीय महिला एवं पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता में जिले की 25 टीमें अपना दमखम दिखा रही हैं। इनमें 14 पुरुष और 11 महिला टीमें शामिल हैं। प्रतियोगिता का समापन 21 सितंबर को होगा।

प्रतियोगिता का शुभारंभ राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने दीप प्रज्वलन और फीता काटकर किया। पहले दिन पुरुष वर्ग में सारंगढ़ जनपद और जिंदल रायगढ़ के बीच मुकाबला हुआ, जबकि महिला वर्ग में पुसौर और खरसिया की टीमों ने जोरदार खेल का प्रदर्शन किया। मैदान में खिलाड़ियों के शानदार दांव-पेंच और जोश ने दर्शकों में खासा उत्साह पैदा किया। खिलाड़ी पूरे अनुशासन और खेल भावना के साथ मुकाबलों में उतरे।

कबड्डी-कुश्ती हमारी मिट्टी से जुड़े खेल : देवेन्द्र प्रताप

शुभारंभ अवसर पर सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि कबड्डी और कुश्ती हमारी मिट्टी से जुड़े पारंपरिक खेल हैं। राजा चक्रधर सिंह ने भी इन खेलों को प्रोत्साहित किया था। चक्रधर समारोह के माध्यम से पारंपरिक खेलों को व्यापक मंच मिलना रायगढ़ की खेल परंपरा को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने युवाओं से खेल को मनोरंजन के साथ करियर के अवसर के रूप में देखने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि युवाओं के जीवन में स्क्रीन टाइम बढ़ रहा है। मैदान से जुड़ाव बढ़ाकर मोबाइल और स्क्रीन टाइम को कम किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं के साथ अभिभावकों को भी वॉक, योग और हल्के व्यायाम जैसी गतिविधियों से जुड़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ भारत के माध्यम से ही विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है। सांसद ने खिलाड़ियों से आपसी प्रेम, सम्मान और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का आह्वान किया।

खेल सिखाता है टीम भावना और अनुशासन : जीवर्धन चौहान

नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान ने कहा कि कबड्डी मुश्किल परिस्थितियों में भी शांत रहकर सही निर्णय लेने की सीख देता है। यह खेल टीम भावना, अनुशासन और एक-दूसरे के प्रति सम्मान की भावना विकसित करता है। नगर निगम सभापति श्री डिग्री लाल साहू ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि मैदान पर हार-जीत से अधिक महत्वपूर्ण खिलाड़ी का प्रयास, जोश और खेल भावना है। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में खरसिया जनपद, कबड्डी संघ, नगर निगम रायगढ़, तमनार, बरमकेला, धरमजयगढ़, लैलूंगा, पुसौर, घरघोड़ा, रायगढ़ और सारंगढ़ जनपद के साथ राजा चक्रधर, जिंदल फाउंडेशन तथा पुलिस विभाग की टीमें हिस्सा ले रही हैं। महिला वर्ग में अदानी फाउंडेशन, रायगढ़, जिंदल फाउंडेशन रायगढ़, पुसौर, खरसिया, लैलूंगा, तमनार, घरघोड़ा, धरमजयगढ़, जिंदल फाउंडेशन तमनार तथा नगर निगम रायगढ़ की टीमें शामिल हैं। तीन दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

'नमो सेवा अनकही कहानियां'

नुक्कड़ नाटक से दिया जनकल्याण और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। सेवा, जनकल्याण और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश लोगों तक सहज और प्रभावी तरीके से पहुंचाने के लिए रायगढ़ के अम्बेडकर चौक में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। 'नमो सेवा अनकही कहानियां' के तहत आयोजित इस प्रस्तुति में कलाकारों ने आम लोगों के जीवन से जुड़े विषयों को रोचक अंदाज में प्रस्तुत करते हुए सेवा के महत्व को सामने रखा। नुक्कड़ नाटक देखने के लिए अम्बेडकर चौक पर लोगों की मौजूदगी रही और दर्शकों ने कलाकारों की प्रस्तुति को रुचि के साथ देखा।

कलाकारों ने यह संदेश दिया कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था का दायित्व नहीं, बल्कि सामूहिक भागीदारी से सामाजिक बदलाव की राह मजबूत होती है। आम बोलचाल की भाषा और प्रभावी प्रस्तुति के जरिए सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े संदेशों को लोगों तक पहुंचाया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य सेवा और जनकल्याण से जुड़े विचारों को जनसामान्य तक सहज माध्यम से पहुंचाना और सामाजिक सहभागिता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। नुक्कड़ नाटक जैसे जनसंचार के माध्यम से लोगों को सीधे जोड़ने का प्रयास किया गया।

'मेरे सपनों का भारत' में विद्यार्थियों ने रची राष्ट्र निर्माण की तस्वीर

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दो दिन चले विकासखंड स्तर पर आयोजित 'मेरे सपनों का भारत' विषयक चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं ने जिले के विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाओं, विचारों और आकांक्षाओं को रचनात्मक अभिव्यक्ति देने का अवसर प्रदान किया। रंगों से सजे चित्रों और आत्मविश्वास से व्यक्त किए गए विचारों में बच्चों ने उस भारत की तस्वीर प्रस्तुत की, जिसे वे भविष्य में देखना चाहते हैं—एक ऐसा भारत जो शिक्षित, आत्मनिर्भर, समृद्ध, स्वच्छ, तकनीकी रूप से सक्षम, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और सामाजिक रूप से समरस हो।

धमतरी जिले में इन प्रतियोगिताओं को लेकर विद्यार्थियों में उल्लेखनीय उत्साह

देखने को मिला। चित्रकला प्रतियोगिता में जिले के 1,483 विद्यालयों के 60,608 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। वहीं भाषण प्रतियोगिता में भी 1,483 विद्यालयों के 37,146 विद्यार्थियों ने भाग लेकर 'मेरे सपनों का भारत' की अपनी परिकल्पना को शब्दों के माध्यम से सामने रखा। यह व्यापक सहभागिता बताती है कि विद्यार्थियों के भीतर राष्ट्र, समाज और अपने आसपास के परिवेश को लेकर संवेदनशील सोच विकसित हो रही है।

चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने कागज पर केवल रंग और आकृतियां नहीं उकेरीं, बल्कि अपने सपनों के भारत का जीवंत स्वरूप प्रस्तुत किया। किसी चित्र में आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिखाई दी, तो किसी में हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण का संदेश था। अनेक विद्यार्थियों की कल्पना में गांवों का विकास, आधुनिक कृषि, डिजिटल तकनीक, महिला सशक्तिकरण, रोजगार के अवसर, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और आत्मनिर्भर भारत प्रमुखता से उभरे। इन चित्रों में विकास के साथ प्रकृति के संरक्षण और मानवीय संवेदनाओं के प्रति प्रतिबद्धता भी दिखाई दी।

भाषण स्पर्धा में विद्यार्थियों ने राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की भूमिका, युवाओं की जिम्मेदारी, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान एवं तकनीक, कृषि विकास, सामाजिक समरसता तथा नागरिक कर्तव्यों जैसे विषयों पर अपनी बात रखी। उनके वक्तव्यों में यह विश्वास दिखाई दिया कि देश का भविष्य केवल सरकारों की योजनाओं से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी और सक्रिय सहभागिता से भी निर्मित होता है।

नस्ल सुधार ने बदली विनोद की किस्मत घर की बछिया बनी सुख-समृद्धि का आधार

श्रीकंचनपथ समाचार

नारायणपुर। जिले के धौड़ाई गांव निवासी किसान विनोद नुरेटी के परिवार में दूध की रोजाना जरूरत तो थी, लेकिन गांव में उपलब्धता न होने और बाजार में ऊंची कीमतों के कारण उन्हें काफी दिक्कत झेलनी पड़ती थी। पशुधन विकास विभाग के मार्गदर्शन और विनोद की मेहनत ने इस समस्या को खत्म करने के साथ ही आजीविका की नई राह भी खोल दी।

विनोद ने पशुधन विकास विभाग की सलाह पर अपनी देशी गाय का कृत्रिम गर्भाधान कराया। एक उच्च नस्ल की बछिया का जन्म हुआ। बछिया के सही पोषण और नस्ल संवर्धन के लिए पशुधन विकास विभाग की उन्नत मादा वत्स पालन योजना के तहत विनोद को 18 हजार रुपये की अनुदान राशि प्रदान की गई। समय-समय पर निःशुल्क पशु चिकित्सा देखभाल और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराई गईं।

बछिया एक स्वस्थ दुधारू गाय के रूप में विकसित हुई। आज स्थिति यह है कि विनोद के परिवार को न केवल घर पर ही प्रचुर मात्रा में शुद्ध दूध मिल रहा है, बल्कि वे दूध, दही और घी बेचकर हर महीने अतिरिक्त आय भी अर्जित कर रहे हैं।

रकुल प्रीत सिंह ने ऑफ-व्हाइट थ्री-पीस लुक में ढाया कहर, बोल्ड अंदाज देख फैंस हुए दीवाने

बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह एक बार फिर अपने नए और स्टनिंग लुक को लेकर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली रकुल ने हाल ही में इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं।

इन तस्वीरों में रकुल का बोल्ड, ग्रेसफुल और कॉन्फिडेंट अवतार फैंस को दीवाना बना रहा है। तस्वीरों में रकुल प्रीत सिंह ऑफ-व्हाइट टोन वाले थ्री-पीस को-ऑर्ड सेट में नजर आ रही हैं।

रकुल ने एक प्लेन स्ट्रैपलेस क्रॉप टॉप पहना है, जिसके साथ उन्होंने मैचिंग हाई-वेस्टेड वाइड-लेग ट्राउजर कैरी किया है। इस न्यूट्रल आउटफिट को खास और अट्रैक्टिव बनाता है उनका क्रॉप केप-स्टाइल जैकेट।

जैकेट के शोल्डर्स और स्लीव्स पर बने आर्टिस्टिक, कलरफुल और वाइब्रेंट प्रिंट्स उनके पूरे लुक में एक पावर-ड्रेसिंग और इंडो-वेस्टर्न फ्यूजन जोड़ते हैं।

हर एक फ्रेम में रकुल का कॉन्फिडेंस और एटीट्यूड देखते ही बन रहा है। कभी वह कैमरे की ओर देखते हुए बोल्ड और पियर्सिंग लुक दे रही हैं, तो कभी सॉफ्ट और एलिगेंट फेशियल एक्सप्रेशन्स के साथ पोज़ दे रही हैं।

रकुल ने अपने इस पावरफुल लुक को निखारने के लिए स्टाइलिंग पर खास ध्यान दिया है। उन्होंने अपने बालों को नीट और स्लीक वेवी हाई पोनीटेल में बांधा हुआ है, जो उनके चेहरे के कट्स को पूरी तरह से हाइलाइट कर रहा है।

रकुल का मेकअप बहुत ही बैलेंस्ड है। आर्म्स और फेस पर सटल ब्रोंज/न्यूड टोन, आईज पर सॉफ्ट रोजी-पिंक आईशैडो और होठों पर ग्लॉसी न्यूड-पिंक लिपस्टिक उनके नेचुरल ग्लो को बढ़ा रही है।

एक्सेसरीज में रकुल ने वेस्टर्न टच बनाए रखने के लिए बड़े गोल पर्ल/डायमंड स्टडेड हूप इयररिंग्स चुने हैं। साथ ही उंगलियों में ट्विस्टेड गोल्ड रिंग्स और कलाई पर मिनिमल ब्रेसलेट पहना है।

'जेलर 2' की कास्ट में शामिल हुईं विद्या, चेहरे पर तेवर और दबंग अंदाज ने जीता फैंस का दिल

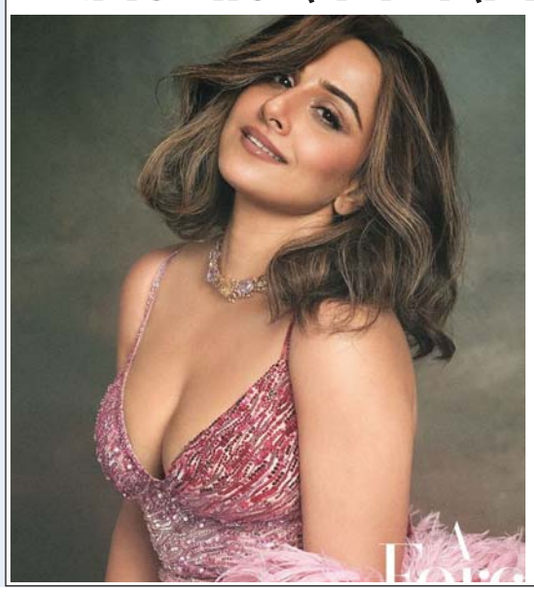

'जेलर 2' के मेकर्स धीरे-धीरे उन कलाकारों के किरदारों से पर्दा उठा रहे हैं जो इस बहुप्रतीक्षित सीक्वल में रजनीकांत के साथ नजर आएंगे। इस कड़ी में अब विद्या बालन का नाम भी जुड़ गया है। मेकर्स ने अब विद्या के किरदार का पहला लुक जारी किया है। वह 'कांथा' का किरदार निभा रही हैं। इस किरदार के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं है लेकिन नए वीडियो में उन्हें एक जबरदस्त अंदाज में पेश किया गया है।

वीडियो में विद्या नीली साड़ी और काले ब्लाउज में नजर आ रही हैं। उनके हाथ में सिगरेट है और वह सीढ़ियों से उतरकर एक कमरे में दाखिल होती हैं। वीडियो में ज्यादा कुछ तो नहीं दिखाया गया है लेकिन एक बात साफ है कि कांथा का किरदार कोई शांत या दब्बू किस्म का नहीं है। इस सीन में विद्या का अंदाज काफी प्रभावशाली और दबंग है।

मेकर्स ने अभी तक यह नहीं बताया है कि कहानी में कांथा का क्या रोल है। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक, विद्या मिथुन चक्रवर्ती की बड़ी बेटी का किरदार निभाएंगी। कहा जा रहा है कि मिथुन 'जेलर 2' में मुख्य विलेन (खलनायक) की भूमिका में होंगे और रजनीकांत के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। हिंदुस्तान टाइम्स ने पहले एक सूत्र के हवाले से कहा था, 'विद्या मिथुन चक्रवर्ती की बड़ी बेटी का रोल निभा रही हैं।'

नेल्सन दिलीप कुमार द्वारा निर्देशित 'जेलर' फिल्म मुथुवेल पांडियन की कहानी थी। वह एक रिटायर्ड जेलर थे, जिनका शांत जीवन तब उथल-पुथल हो गया जब उनका बेटा लापता हो गया। सैकनिलक के अनुसार, फिल्म ने भारत में 348.55 करोड़ रुपये (नेट) और दुनिया भर में 604.50 करोड़ रुपये (ग्रॉस) की कमाई की थी।

खास हुई 'जेलर 2' की कास्ट

'जेलर 2' में ओरिजिनल कास्ट के कई सदस्य भी वापसी कर रहे हैं, जिनमें राम्या कृष्णन, योगी बाबू, मिर्ना और ऋत्विक शामिल हैं। इस सीक्वल में कलाकारों की एक शानदार नई टीम भी शामिल है, जिसमें एसजे सूर्या, मिथुन चक्रवर्ती, विद्या बालन, सूरज वेंजारामूडु, अन्ना राजन और जतिन सरना शामिल हैं। फिल्म में कई कैमियो रोल भी होने की उम्मीद है। खबरों के अनुसार मोहनलाल, शिवा राजकुमार, जैकी श्रॉफ, विजय सेतुपति और ऋतिक रोशन इस प्रोजेक्ट से जुड़ सकते हैं, हालांकि मेकर्स ने अभी तक इन सभी नामों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

विद्या के 'कांथा' के रूप में शामिल होने के साथ ही, 'जेलर 2' की कास्ट का एक और अहम हिस्सा तय हो गया है।

नेल्सन द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म 15 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मैसा के टीजर में दमदार एक्शन करती नजर आई रश्मिका मंदाना, क्या है पिता को खोजने निकली बेटी की कहानी?

रश्मिका मंदाना की पहली एक्शन फिल्म 'मैसा' का टीजर रिलीज हो चुका है। टीजर से साफहै कि इसकी कहानी पिता-बेटी के रिश्ते के इर्द-गिर्द बुनी गई है।

टीजर में क्या खास?

फिल्म के टीजर में रश्मिका कई दुश्मनों से जूझते हुए अपने पिता को ढूंढने में जुटी हुई हैं। वो कभी कीचड़, कभी जंगल तो कभी पानी के अंदर दुश्मनों से भिड़ती नजर आ रही हैं। इस फिल्म में रश्मिका रफ एंड टफऔर गुस्सैल अंदाज में नजर आ रही हैं। यह पहली बार है जब वो किसी हार्ड-कोर एक्शन रोल में नजर आएंगी।

कब होगी रिलीज?

'सीता रामम' के लिए पहचाने जाने वाले निर्देशक रविंद्र पुल्ले ने इस फिल्म में एक्शन, भावनाओं और भव्यता को एक साथ पिरोया है। यह एक्शन ड्रामा 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

टीजर में रश्मिका एक उग्र, रफ-टफऔर गुस्सैल अंदाज में नजर आ रही हैं, जिसमें उनका ऐसा रूप देखने को मिल रहा है, जिसे दर्शकों ने इससे पहले कभी नहीं देखा। हाई-ऑक्टेन एक्शन से भरपूर यह झलक फिल्म की मूल कहानी की ओर भी इशारा करती है। यह एक एक शक्तिशाली पिता-बेटी के रिश्ते की कहानी। 'मायसा' पिता-बेटी के रिश्ते को एक नए अंदाज में पेश करती है, जहां भावनाओं, एक्शन और बड़े पैमाने पर फिल्माए गए दृश्यों का शानदार मेल देखने को मिलेगा।

'सीता रामम' में अपने प्रशंसित काम के लिए जाने जाने वाले निर्देशक रविंद्र पुल्ले ने इस फिल्म में एक्शन, भावनाओं और भव्यता को एक साथ पिरोया है। फिल्म एक ऐसी दिलचस्प दुनिया तैयार करती है, जिसके केंद्र में रश्मिका हैं। इसमें रश्मिका अपने दमदार अभिनय और बोल्ड नए अवतार से प्रभाव छोड़ती नजर आती हैं। 'मायसा' आदिवासी इलाकों की पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर है।

शूटिंग शुरू करने से चार दिन पहले छोड़ी डेब्यू फिल्म कैसे राज कपूर की 'सिद्धिमा' बनीं 'करीना'?

बॉलीवुड की 'बेबो' यानी करीना कपूर खान सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक ब्रांड हैं। कपूर खानदान की पांचवीं पीढ़ी की यह अदाकारा पिछले ढाई दशकों से हिंदी सिनेमा पर राज कर रही हैं। पर्दे पर उनका बिंदास अंदाज हो या निजी जिंदगी में उनके फैसले करीना हमेशा चर्चा में रही हैं। आज 21 सितंबर को एक्ट्रेस अपना 46वां जन्मदिन मना रही हैं। ऐसे में आइए आपको उनकी लाइफ से जुड़े कुछ दिलचस्प किस्सों के बारे में बताते हैं।

राज कपूर ने रखा था ये नाम

करीना कपूर का जन्म 21 सितंबर, 1980 को हिंदी सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित परिवार में से एक कपूर खानदान में हुआ। वह राज कपूर की पोती और रणधीर-बबीता की बेटी हैं। खास बात ये है कि उनके दादा राज कपूर ने एक्ट्रेस का नाम 'सिद्धिमा' रखा था। लेकिन मां ने बुक एना कैरेनीना से प्रेरित होकर नाम बदल दिया और करीना रख दिया।

करीना की शुरुआती पढ़ाई मुंबई के जमनाबाई नरसी स्कूल और देहरादून के वेल्हम गर्ल्स स्कूल से हुई। इसके बाद अभिनेत्री ने मुंबई के मिठीबाई कॉलेज में कॉमर्स की पढ़ाई की। हालांकि, उन्होंने डिग्री पूरी नहीं की। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने 11वीं तक पढ़ाई की है।

करीना कपूर के डेब्यू की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। राकेश रोशन अपनी फिल्म 'कहो ना प्यार है' से अपने बेटे ऋतिक रोशन और करीना कपूर को लॉन्च करने वाले थे। करीना ने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी थी और एक-दो सीन शूट भी कर लिए थे।

ऐसे बताया जाता है कि शूटिंग शुरू होने के कुछ ही दिनों बाद करीना की मां बबीता और निर्देशक राकेश रोशन के बीच फिल्म की स्क्रिप्ट और करीना के रोल के महत्व को लेकर विवाद हो गया। बबीता को लगा कि फिल्म का पूरा फोकस ऋतिक पर है और करीना को स्क्रीन स्पेस कम मिल रहा है। बबीता ने बिना किसी झिझक के करीना को इस प्रोजेक्ट से बाहर निकाल लिया। इसके तुरंत बाद करीना को साल 2000 में जे.पी. दत्ता की फिल्म 'रिफ्यूजी' मिल गई, जिसमें उन्हें अभिषेक बच्चन के साथ काम करने का मौका मिला। हालांकि, 'कहो ना प्यार है' ब्लॉकबस्टर साबित हुई और अमीषा पटेल रातों-रात स्टार बन गईं, जबकि 'रिफ्यूजी' बॉक्स ऑफिस पर लगभग फ्लॉप रही।

कैसी रही करीना की लव लाइफ?

करीना कपूर की पर्सनल लाइफ हमेशा मीडिया की सुर्खियों में रही है। करियर के शुरुआत में अभिनेत्री का नाम ऋतिक रोशन के साथ जुड़ा। हालांकि, दोनों स्टार्स में से कभी किसी ने इस पर कोई रिएक्शन नहीं दिया। इसके बाद करीना कपूर अभिनेता शाहिद कपूर को डेट करने लगीं। साल 2004 में फिल्म 'फिदा' के सेट पर करीना और शाहिद कपूर करीब आए। करीना ने खुद एक इंटरव्यू में कबूल किया था कि उन्होंने शाहिद को प्रपोज करने के लिए खुद पहल की थी और कई बार फोन व मैसेज किए थे।

शाहिद से अलग होने के बाद करीना 2007-08 में फिल्म 'टशन' की शूटिंग के लिए लद्दाख और ग्रीस में थीं। यहीं उनकी नजदीकियां अपने से 10 साल बड़े सैफ अली खान से बढ़ीं। सैफ ने करीना के प्रति अपने प्यार को जताने के लिए अपने हाथ पर हिंदी में 'करीना' नाम का टैटू बनवाया, जिसने उस समय काफी सनसनी मचाई थी। दोनों ने शादी से पहले लगभग 5 साल तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहने का फैसला किया। 16 अक्टूबर, 2012 को दोनों ने एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी कर ली।

शादी के बाद भी करीना ने अपने काम को कभी रुकने नहीं दिया। उन्होंने बॉलीवुड की उस सोच को बदला कि शादी या मां बनने के बाद हीरोइन का करियर खत्म हो जाता है। दिसंबर 2016 में करीना ने अपने बड़े बेटे तैमूर को जन्म दिया। तैमूर के जन्म के बाद भारत में पैपराजी कल्चर अपने चरम पर पहुंचा। तैमूर देश के सबसे लोकप्रिय स्टार किड बन गए। फरवरी 2021 में करीना ने अपने दूसरे बेटे जहांगीर (जेह) को जन्म दिया।

क्यों संजय लीला भंसाली से हुई अनबन?

संजय लीला भंसाली फिल्म 'देवदास' में पारो के रोल के लिए पहले करीना का स्क्रीन टेस्ट ले चुके थे। करीना को लगा कि उन्हें रोल मिल गया है, लेकिन बाद में भंसाली ने ऐश्वर्या राय को साइन कर लिया। हालांकि, बाद में दोनों के रिश्ते ठीक हो गए।

गर्भवती महिलाओं की डाइट का शिशु के स्वास्थ्य पर पड़ता है असर, ये चीजें न खाएं

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अपनी खान-पान की चीजों का खास ख्याल रखना चाहिए, क्योंकि इसका प्रभाव न केवल उन पर, बल्कि गर्भ में पल रहे बच्चे पर भी पड़ता है। गर्भवती महिलाओं को ऐसी चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए, जिनमें अधिक मात्रा में चीनी, चाय-कॉफी और चर्बी होती है, क्योंकि इनसे बच्चे का वजन प्रभावित हो सकता है। आइए जानते हैं कि गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को किन खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए।

चाय-कॉफी और ठंडे पेय से बनाएं दूरी

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को चाय-कॉफी और ठंडे पेय से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। इससे हमारा मतलब है कि गर्भवती महिलाओं को चाय, कॉफी और ठंडे पेय जैसी चीजों का सेवन कम से कम करना चाहिए। इन चीजों में कैफीन की मात्रा अधिक होती है। इससे बच्चे का वजन प्रभावित हो सकता है।

इसके अलावा अधिक कैफीन का सेवन करने से गर्भवती महिलाओं को नींद न आना, चिंता और बेचैनी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

ज्यादा मसालेदार चीजों से करें परहेज

गर्भावस्था के दौरान ज्यादा मसालेदार चीजों का सेवन करने से भी बचना चाहिए, क्योंकि इससे पेट में जलन और गैस जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा ज्यादा मसालेदार चीजें खाने से गर्भ में बच्चे को भी नुकसान पहुंच सकता है।

यह ध्यान रखना जरूरी है कि ज्यादा मसालेदार चीजों का सेवन करने से कुछ गर्भवती महिलाओं को उल्टी और दस्त जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

ज्यादा मीठे खाने का न करें सेवन

गर्भावस्था के दौरान ज्यादा मीठे खाने का सेवन करने से भी बचना चाहिए। इससे हमारा मतलब है कि गर्भवती महिलाओं को अधिक मात्रा में मिठाईयां खाने से बचना चाहिए।

इससे गर्भ में पल रहे बच्चे का वजन बढ़ सकता है और शक्कर का स्तर भी प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा ज्यादा मीठा खाने से गर्भवती महिलाओं को मधुमेह जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

इसलिए, बेहतर होगा कि महिलाएं मीठी चीजों का सेवन सीमित करें।

शराब वाले पेय का न करें सेवन

गर्भावस्था के दौरान शराब वाले पेय का सेवन करने से बिल्कुल बचना चाहिए, क्योंकि इससे गर्भ में पल रहे बच्चे को नुकसान पहुंच सकता है।

शराब का सेवन करने से बच्चे का जन्म के समय का वजन कम होना, शारीरिक समस्याएं और मानसिक विकार जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

इसके अलावा शराब का सेवन करने से गर्भवती महिलाओं को उल्टी और दस्त जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

ताजा फल और सब्जियों का करें सेवन

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। इसके लिए उन्हें अपनी खाने में ताजा फल और सब्जियों को शामिल करना चाहिए।

इससे बच्चे को सभी जरूरी पोषक तत्व मिलेंगे और उसका विकास सही तरीके से होगा। इसके अलावा महिलाएं खाने में दालें, अनाज, दूध और डेयरी उत्पादों को भी शामिल कर सकती हैं।

इनसे उन्हें और उनके गर्भ में पल रहे बच्चे को कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

दूसरी बार मां बनीं दीपिका, गणेश उत्सव के बीच घर आई लक्ष्मी

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण दूसरी बार मां बन चुकी हैं। शनिवार को उन्होंने एक बेटी को जन्म दिया है। इसकी जानकारी दीपिका ने खुद एक पोस्ट साझा करके दी।

शनिवार को दीपिका पादुकोण और उनके पति रणवीर सिंह ने अपने घर खुशियों का स्वागत किया। 19 सितंबर को दीपिका ने अपनी दूसरी बेटी को जन्म दिया। इस बात की जानकारी अभिनेत्री ने खुद एक पोस्ट साझा करके दी। इस पोस्ट में उनकी बेटी के पैरों के निशान बने हुए हैं। साथ ही लिखा है, 'बेबी गर्ल का स्वागत है... 19/09/2026'।

सितंबर में ही जन्मी थी पहली बेटी

बता दें कि दीपिका दूसरी बार मां बनी हैं। इससे पहले अभिनेत्री पहली बार 8 सितंबर 2024 में मां बनी थीं, तब उन्होंने बेटी को जन्म दिया था जिसका नाम उन्होंने दुआ रखा।

19 अप्रैल को अनाउंस की थी प्रेग्नेंसी

बता दें कि दीपिका पादुकोण ने 19 अप्रैल को अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। उन्होंने बेबी दुआ की तस्वीर शेयर की थी, जिसमें उनके हाथों में प्रेग्नेंसी किट थी। इसी तस्वीर के साथ भी दीपिका पादुकोण ने ईविल आई इमोजी बनाए थे। अपनी डिलीवरी से ठीक एक दिन पहले ही दीपिका सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची थीं। इस दौरान उनके साथ पति रणवीर सिंह और सास-ससुर भी मौजूद थे। बप्पा का आशीर्वाद लेने के ठीक एक दिन बाद ही उन्होंने अपनी दूसरी बेटी के जन्म की खुशखबरी सुनाई है।

खास-खबर

सेवा संकल्प से साकार हो रहा नौनिहालों का उज्ज्वल भविष्य

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचने से जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहे हैं। सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत बांकीपुर के डिहारीपारा में नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन इसका उदाहरण है। जहां पहले आंगनबाड़ी केंद्र किराए के मकान के एक कमरे में संचालित होता था, वहीं अब चार कमरों के नए भवन में बच्चों, गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के अनुसार पहले केंद्र का संचालन किराए के मकान के एक छोटे से कमरे में किया जाता था। सीमित जगह के कारण बच्चों को एक साथ बैठाकर विभिन्न गतिविधियां कराने और प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी गतिविधियों के संचालन में परेशानी होती थी।

रोजगार मेला 24 सितंबर को 230 पदों पर होगा भर्ती

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र महासमुंद द्वारा 24 सितंबर 2026 को जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेला लाईवलीहुड कॉलेज के द्वितीय तल, पॉलिटेक्निक कॉलेज, ग्राम बरोडाबाजार में सवेरे 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा। उपसंचालक रोजगार डॉ. शशिकला अतुलकर ने बताया कि रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की स्वतंत्रा माइक्रोफिन प्राइवेट लिमिटेड, पुष्कल एग्रोटेक लिमिटेड, अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, रजत इक्विपमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड एवं श्रमिन टैलेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 230 विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए 10वीं, 12वीं, बीएससी एग्रीकल्चर, स्नातक एवं आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थी पात्र होंगे।

संस्कृति विभाग ने राज्य सम्मान 2026 के लिए आमंत्रित की प्रविष्टियां

रायपुर। संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विभिन्न कला, साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को प्रदान किए जाने वाले राज्य सम्मान 2026 के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। विभाग द्वारा स्थापित 12 राज्य स्तरीय सम्मान एवं 1 राष्ट्रीय सम्मान के लिए निर्धारित प्रारूप में 5 अक्टूबर 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। चयनित प्रतिभाओं को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित 'राज्योत्सव 2026' के राज्य अलंकरण समारोह में सम्मानित किया जाएगा। राज्य सम्मान के लिए इच्छुक पात्र व्यक्ति निर्धारित प्रारूप में अपनी प्रविष्टियां प्रस्तुत कर सकते हैं। नाम, जन्मतिथि एवं आयु के साथ प्रस्तावक का विवरण तथा आवेदक की उपलब्धियों का संक्षिप्त ब्यौरा देना होगा।

कैंसर केयर को मजबूत करने के साथ स्वस्थ मानव संसाधन तैयार करना जरूरी: वित्त मंत्री

नवा रायपुर में देशभर से आए कैंसर विशेषज्ञों का किया स्वागत, चिकित्सा क्षेत्र में शोध और विशेषज्ञ सेवाओं को बढ़ावा देने पर दिया जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी नवा रायपुर में बाल्को मेडिकल सेंटर, **eCancer** तथा टाटा मेमोरियल सेंटर द्वारा आयोजित चतुर्थ वार्षिक BMC छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव-2026 में शामिल हुए। कॉन्क्लेव की थीम **"Restoring Balance to Cancer Care"** पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कैंसर केयर, स्वास्थ्य सेवाओं की भविष्य की चुनौतियों और देश की युवा आबादी को स्वस्थ बनाए रखने की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि भारत आज दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल है। देश की औसत आयु करीब 29 वर्ष है, जबकि छत्तीसगढ़ की औसत आयु करीब 24 वर्ष है।

देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यह युवा आबादी भारत की आर्थिक प्रगति की सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस युवा शक्ति का स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है। मंत्री चौधरी ने कहा कि आने वाले 10-20 वर्षों में भारत की जनसांख्यिकी में तेजी से बदलाव होगा और आबादी की औसत आयु बढ़ेगी। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र के सामने बड़ी चुनौती होगी कि देश आर्थिक रूप से विकसित होने से पहले अस्वस्थ न हो जाए। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मानव संसाधन किसी भी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की बुनियादी जरूरत है। इसलिए स्वास्थ्य क्षेत्र में समय रहते तैयारी, बेहतर चिकित्सा सुविधाओं, विशेषज्ञ सेवाओं और शोध को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है।

श्री चौधरी ने बाल्को मेडिकल सेंटर और सर्जिकल रिसर्च फाउंडेशन की ओर से छत्तीसगढ़ तथा आसपास के क्षेत्रों के लोगों को चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सकों और संस्थाओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने डॉ. यशवंत कश्यप, डॉ. दिवाकर पांडे, डॉ. आलोक कुमार स्वाइन और डॉ. अभिनव इंगले सहित आयोजन से जुड़े चिकित्सकों को धन्यवाद दिया तथा देश के विभिन्न हिस्सों से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों का नवा रायपुर में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर छत्तीसगढ़ की ग्रीन कैपिटल सिटी है और यह एक ग्रीनफील्ड सिटी के रूप में विकसित की जा रही है। नवा रायपुर के नियोजित विकास, हरित क्षेत्र और मनोरंजन सुविधाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने देशभर से आए चिकित्सकों से कॉन्क्लेव के साथ-साथ शहर को भी देखने और समझने का आग्रह किया। वित्त मंत्री ने कहा कि नवा रायपुर के विकास में स्वास्थ्य, शिक्षा, अनुसंधान और आधुनिक संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है। ऐसे आयोजन प्रदेश में चिकित्सा विशेषज्ञों के बीच ज्ञान और अनुभव के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करते हैं तथा कैंसर उपचार के क्षेत्र में नई तकनीकों और बेहतर उपचार पद्धतियों को बढ़ावा देने में सहायक होते हैं। कॉन्क्लेव में देश के विभिन्न हिस्सों से आए चिकित्सक, कैंसर विशेषज्ञ और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्वस्थ आबादी विकसित भारत की आधारशिला

श्री चौधरी ने कहा कि आर्थिक विकास की गति के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत की युवा आबादी देश की आर्थिक विकास यात्रा की रीढ़ है, लेकिन इस आबादी को स्वस्थ रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार के साथ-साथ जागरूकता, समय पर जांच, शुरुआती पहचान और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता पर निरंतर काम किया जाना चाहिए। वित्त मंत्री ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के गठन के शुरुआती वर्षों में पूरे प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था। उन्होंने बताया कि लगभग 25-26 वर्ष पहले राज्य पीएमटी में करीब 50वीं रैंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी मेडिकल सीट प्राप्त करना कठिन होता था, क्योंकि पूरे राज्य में रायपुर में केवल एक मेडिकल कॉलेज था। उन्होंने कहा कि उस स्थिति से आगे बढ़ते हुए छत्तीसगढ़ ने चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय विस्तार किया है और आने वाले दो वर्षों में प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 20 से अधिक होने की दिशा में राज्य आगे बढ़ रहा है।

स्वास्थ्य सेवा का संकल्प, जिला चिकित्सालय में लगा मेगा स्वास्थ्य शिविर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज जिला चिकित्सालय गौरेला में विशेष मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श, आवश्यक स्वास्थ्य जांच और दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराकर समय पर उपचार सुनिश्चित करना रहा। शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया।

मेगा स्वास्थ्य शिविर में कुल 1013 लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विभिन्न रोगों से संबंधित मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया। मरीजों को चिकित्सकीय सलाह के अनुसार आवश्यक दवाइयों का वितरण भी किया गया। शिविर में हृदय रोग से संबंधित 44 मरीजों, किडनी रोग के 20 मरीजों, शिशु रोग के 128 मरीजों, स्त्री रोग के 11 मरीजों, मेडिसिन से संबंधित 300 मरीजों, हड्डी रोग के 74 मरीजों, नेत्र रोग के 150 मरीजों तथा टीबी से संबंधित 46 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसके अलावा अन्य रोगों से संबंधित 240 मरीजों ने भी शिविर में स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया।

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को गंभीरता से सुना और आवश्यक जांच के बाद उन्हें उपचार एवं आगे की चिकित्सा सुविधा के संबंध में मार्गदर्शन दिया। शिविर में गर्भवती महिलाओं, बच्चों तथा गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित यह मेगा स्वास्थ्य शिविर जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रहा। शिविर के माध्यम से एक ही स्थान पर विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श मिलने से मरीजों को सुविधा मिली। साथ ही विभिन्न बीमारियों की समय पर पहचान और उपचार के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शिविर में आने वाले मरीजों के स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श, जांच और दवा वितरण की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित किया।

अतिक्रमण मुक्त भूमि से गढ़ी जा रही नौनिहालों की नींव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कभी अवैध कब्जे की आड़ में उपेक्षित पड़ी शासकीय जमीन आज गांव के मासूमों के उज्ज्वल भविष्य और बेहतर स्वास्थ्य की आधारशिला बन चुकी है।

छत्तीसगढ़ के जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ अंतर्गत सरिया तहसील के ग्राम जामपाली ने प्रशासनिक मुस्तैदी और जनहितैषी दृष्टि का एक ऐसा अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है, जहां अतिक्रमण से मुक्त कराई गई जमीन पर अब बच्चों की किलकारियां और शिक्षा के स्वर गूंज रहे हैं। ग्राम जामपाली स्थित शासकीय भूमि (खसरा नंबर 309/1, कुल रकबा 1.833 हेक्टेयर) के एक हिस्से पर लंबे समय से स्थानीय लोगों का अवैध कब्जा था। इसके चलते गांव के नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए आवश्यक प्राथमिक सुविधाओं और बाल विकास केंद्र के निर्माण में बाधा आ रही थी। राजस्व टीम की इस त्वरित प्रशासनिक पहल से करोड़ों मूल्य की शासकीय भूमि को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कराया गया। जमीन को केवल खाली कराने तक सीमित न रखते हुए, जिला व जनपद पंचायत बरमकेला के समन्वय से वहां एक 'आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र' का भव्य निर्माण कराया गया।

रायपुर रेल मंडल में चिन्हित स्थलों की समयबद्ध सफाई के साथ सौंदर्यीकरण एवं 'सेल्फी प्वाइंट' विकसित करने पर जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2026 तक 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्वच्छता एवं जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसरों एवं रेलवे क्षेत्राधिकार में स्वच्छता को सुदृढ़ करने के साथ-साथ स्वच्छता के प्रति कर्मचारियों, यात्रियों एवं आमजन की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।

इसी क्रम में 19 एवं 20 सितम्बर 2026 को ' चिन्हित स्थलों से कचरा एवं गंदगी हटाने के बाद इन स्थानों के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ऐसे स्थलों को स्वच्छ एवं आकर्षक बनाने के साथ-साथ रेलवे स्टेशनों पर 'स्वच्छता' थीम आधारित सेल्फी प्वाइंट विकसित किए जा रहे हैं। इन सेल्फी प्वाइंट्स का उद्देश्य यात्रियों एवं रेलवे कर्मचारियों को स्वच्छता गतिविधियों से जोड़ना तथा स्वच्छता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है।

रायपुर रेल मंडल द्वारा सभी रेलकर्मियों एवं आमजन से अपील की जा रही है कि वे रेलवे परिसर, स्टेशन, कॉलोनी एवं ट्रैक के आसपास कचरा न फैलाएं, कचरे को निर्धारित स्थान पर ही डालें तथा स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाएं। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का संदेश है कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी और दैनिक जीवन की आदत है।

राजमिस्त्री और रेजा-कुली के बच्चे अब पढ़ेंगे बड़े आवासीय स्कूलों में

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना नारायणपुर जिले के श्रमिक परिवारों के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की एक नई और मजबूत राह तैयार कर रही है।

आर्थिक तंगी और सीमित संसाधनों के कारण जिन प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में अपने बच्चों को पढ़ाना श्रमिक परिवारों के लिए केवल एक अधूरा सपना हुआ करता था, आज इस योजना की बदौलत उन्हीं संस्थानों के दरवाजे उनके मेधावी बच्चों के लिए पूरी तरह खुल गए हैं। जिले के पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण और आवासीय शिक्षा प्रदान कर यह योजना उनके सपनों को पंख लगा रही है।

जिले के ग्राम खरगांव में राजमिस्त्री का कार्य करने वाले रामधर दुग्गा के पुत्र साहिल दुग्गा का चयन जब राज्य के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में शुमार 'राजकुमार कॉलेज, रायपुर' में हुआ, तो पूरे परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। रामधर भावुक होकर कहते हैं कि एक श्रमिक परिवार के लिए ऐसे बड़े विद्यालय में बच्चे को पढ़ाने की कल्पना करना भी आसान नहीं होता, लेकिन सरकार की इस पहल ने उनके बेटे की राह बेहद आसान कर दी है। इसी तरह नारायणपुर के जगदीश मंदिर वार्ड की रहने वाली डिगेश्वरी जैन, जो स्वयं रेजा-कुली का कठिन काम करती हैं, अपनी पुत्री तेजल जैन के इस बड़े अवसर को लेकर बेहद उत्साहित हैं। तेजल का चयन 'दिल्ली पब्लिक स्कूल, राजनांदगांव' में निःशुल्क अध्ययन के लिए हुआ है। वहीं ओरछा तहसील के सुदूर ग्राम कुतुल की रेजा-कुली गणेशिया उसेंडी की बेटी दिप्ती उसेंडी और ग्राम बाकुलवाही के दयाल सिंह पात्र की पुत्री पूर्वी पात्र का चयन 'संस्कार द गुरुकुल, बस्तर' में हुआ है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में पेयजल गुणवत्ता की सतत निगरानी

5,172 जांचों में शत-प्रतिशत संतोषजनक परिणाम 373 नमूनों की गुणवत्ता जांच भी रही संतोषजनक

15 दिवसीय विशेष अभियान के तहत स्टेशनों पर पेयजल व्यवस्था की व्यापक जांच एवं निगरानी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल स्वस्थ रेल यात्रा का अभिन्न हिस्सा है। यात्रियों एवं रेल कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना भारतीय रेल की महत्वपूर्ण जनसेवा एवं स्वास्थ्य संबंधी जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा स्टेशनों पर उपलब्ध पेयजल की गुणवत्ता की नियमित एवं सतत निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में पिछले माह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न स्टेशनों पर पेयजल गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 15 दिवसीय विशेष अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान स्टेशनों पर उपलब्ध पेयजल व्यवस्था की व्यापक जांच एवं निगरानी की गई तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में पेयजल गुणवत्ता की निगरानी स्टेशन की श्रेणी एवं यात्री आवागमन के अनुरूप नियमित रूप से की जाती है। बड़े एवं अधिक यात्री आवागमन वाले **NSG-II** एवं **NSG-III** श्रेणी के प्रमुख स्टेशनों पर स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा प्रतिदिन नियमित रूप से चार पेयजल नमूनों की जांच की जाती है।

वहीं, **NSG-IV** से **NSG-VI** श्रेणी के छोटे एवं अन्य स्टेशनों पर भी उपलब्ध पेयजल स्रोतों की नियमित जांच एवं निगरानी सुनिश्चित की जाती है।

इस प्रकार प्रमुख स्टेशनों पर अधिक आवृत्ति के साथ निगरानी के साथ-साथ छोटे स्टेशनों पर भी पेयजल गुणवत्ता की नियमित जांच की व्यवस्था लागू है। इसके अतिरिक्त प्रमुख स्टेशनों से पेयजल के नमूनों की गुणवत्ता की विस्तृत जांच भी समय-समय पर कराई जाती है, ताकि पेयजल व्यवस्था की समग्र गुणवत्ता की निगरानी सुनिश्चित की जा सके। पिछले माह चलाए गए 15 दिवसीय विशेष अभियान सहित नियमित निगरानी के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में पेयजल गुणवत्ता से संबंधित कुल 5,172 जांचें की गईं। इन सभी जांचों में निर्धारित मानकों के अनुरूप शत-प्रतिशत संतोषजनक परिणाम प्राप्त हुए। इसी अवधि में पेयजल गुणवत्ता के 373 नमूनों की विस्तृत जांच भी की गई, जिनके परिणाम संतोषजनक एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए गए। ये परीक्षण ह्वक्रु से मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में कराया गया ।

पेयजल गुणवत्ता की निगरानी केवल जांच तक सीमित नहीं है। किसी भी संभावित समस्या की समय रहते पहचान, आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई तथा उसके बाद पुनः निगरानी के माध्यम से सुरक्षित पेयजल व्यवस्था को निरंतर बनाए रखने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा भारतीय रेल के निर्देशों के अनुरूप पेयजल स्रोतों, आपूर्ति व्यवस्था, फिल्ट्रेशन, भंडारण एवं वितरण से संबंधित व्यवस्थाओं के नियमित रखरखाव एवं निगरानी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पिछले माह चलाए गए विशेष अभियान के माध्यम से इन व्यवस्थाओं की विशेष समीक्षा की गई, जबकि नियमित निगरानी की प्रक्रिया निरंतर जारी है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का उद्देश्य यात्रियों एवं रेल कर्मचारियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना तथा इसके लिए निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रभावी निगरानी व्यवस्था को निरंतर सुदृढ़ करना है।

मिर्च की खेती बनी महेंद्र की आय का आधार

रायपुर। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों, सिंचाई सुविधाओं और आवश्यक सहयोग से जोड़ने के प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में खेती की तस्वीर बदल रही है। जशपुर जिले के बगीचा विकासखंड के ग्राम सन्ना निवासी छोटे किसान महेंद्र कुमार यादव, पिता अमर कुंवर यादव की कहानी इसका उदाहरण है। सीमित पूंजी के कारण पहले महज 50 डिसमिल भूमि में मिर्च की खेती करने वाले महेंद्र ने शासकीय अनुदान और विभागीय मार्गदर्शन का लाभ लेकर खेती का विस्तार किया और इस वर्ष मिर्च उत्पादन से करीब 1 लाख रुपये की शुद्ध आय अर्जित की। महेंद्र कुमार यादव पहले पारंपरिक तरीके से केवल 50 डिसमिल भूमि में ही मिर्च की खेती कर पाते थे।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

हेरोइन तस्करी का खुलासा 21.51 ग्राम चिट्टा के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

धमतरी। धमतरी पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए हेरोइन (चिट्टा) की तस्करी और बिक्री में संलिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 21.51 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद किया गया है, जिसकी कीमत करीब 1 लाख 2 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से नगद, दो मोटरसाइकिल और चार मोबाइल भी जब्त किए हैं। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 3 लाख 50 हजार रुपए बताई गई है। धमतरी एसपी भावना पांडेय के निर्देश पर जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार और तस्करों के खिलाफ ऑपरेशन निश्चय चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत कुरूद पुलिस को यह कार्रवाई करने में सफलता मिली।

रास्ता घेरने को लेकर हुआ विवाद, हमले में महिलाएं समेत कई घायल

बिलासपुर। बिलासपुर में गणेश पंडाल लगाने को लेकर दो पक्षों में जमकर विवाद हो गया। कोनी की रहने वाली संतोषी नेताम ने अपनी शिकायत में बताया कि, 19 सितंबर की शाम वह अपनी भाभी पूनम मरावी, कल्पना मरावी, प्रिया मरावी, दीक्षा मरावी, शिमरन मरावी, किरण मरावी और आरोही मरावी के साथ ठाकुर देव मंदिर के पास गणेश पंडाल में प्रसाद के लिए खिचड़ी बना रही थीं। इसी दौरान राम विलास साहू, सुकृता साहू, गीता साहू सहित अन्य लोग पहुंचे और सड़क घेरने की बात कहते हुए विवाद करने लगे। देखते ही देखते गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडे और पत्थरों से हमला करने लगे। हमले में महिला समेत कई लोग घायल हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना कोनी थाना क्षेत्र की है।

चिखली पुलिस की अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई तीन आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव। गणेश पर्व को ध्यान में रखते हुए अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चौकी चिखली पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार 20 सितंबर को सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 08 एडी 3915 से निर्धारित मात्रा से अधिक शराब लेकर ग्राम बोरी की ओर जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मधुबन रेस्टोरेंट, ग्राम बोरी के पास घेराबंदी कर मोटरसाइकिल को रोका। तलाशी के दौरान नरसिंग ढीमर (29) और रवि कुमार बघेल (20), दोनों निवासी कांकेतरा, के कब्जे से 30 पौवा देशी मदिरा प्लेन और 10 पौवा सुपर 36 देशी मसाला शराब बरामद हुई। बरामद शराब की कुल मात्रा 7.200 बल्क लीटर और कीमत 3,400 रुपये बताई गई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार किया गया और न्यायालय में पेश किया गया।

दूसरे वाहन का नंबर लगाकर चला रहे थे कार : दुर्ग पुलिस ने दो फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के मोहन नगर थाना पुलिस ने बिना पंजीयन नंबर वाले वाहन की खरीदी-बिक्री और दूसरे वाहन का पंजीयन नंबर इस्तेमाल करने के मामले में 2 फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रोहित कुमार कंकरिया (51) निवासी सिंधिया नगर दुर्ग और अनूप रावलानी (55) निवासी नेहरू नगर भिलाई को पकड़ा है। दोनों इस मामले में फरार चल रहे थे।

इस मामले में पुलिस पहले विजय सेन को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर चुकी है। उससे पूछताछ और जांच के दौरान बिना पंजीयन नंबर वाले वाहन की खरीदी-बिक्री और दूसरे वाहन का नंबर इस्तेमाल करने में अन्य लोगों की भूमिका सामने आई। इसके बाद पुलिस ने फरार आरोपियों की तलाश शुरू की।

पुलिस की जांच में सामने आया कि बिना पंजीयन नंबर वाले वाहन की खरीदी-बिक्री के बाद उसे सड़क पर चलाने के लिए दूसरे वाहन का पंजीयन

नंबर इस्तेमाल किया गया। इसी नंबर के कारण ट्रैफिक चालान और टोल से जुड़े मैसेज उस वाहन के वास्तविक मालिक के मोबाइल पर पहुंचने लगे।

यानी सड़क पर चल रहा वाहन कोई और था, लेकिन उसकी पहचान के लिए इस्तेमाल किया जा रहा पंजीयन नंबर दूसरे वाहन का था। इसी गड़बड़ी से पुलिस को मामले की जानकारी मिली और जांच आगे बढ़ी। पुलिस ने पहले विजय सेन को गिरफ्तार किया था। पूछताछ और जांच के दौरान पुलिस को मामले में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद मोहन नगर थाना पुलिस ने फरार आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच में रोहित कुमार कंकरिया और अनूप रावलानी की भूमिका सामने आने के बाद पुलिस टीम ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

पुलिस अब बिना पंजीयन वाले वाहन की खरीदी-बिक्री, उसके इस्तेमाल और दूसरे वाहन के पंजीयन नंबर के दुरुपयोग से जुड़े पूरे मामले की जांच कर रही है। मामले में शामिल अन्य लोगों की भूमिका और वाहन के लेन-देन से जुड़े तथ्यों की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

डीजे पर नाचने को लेकर भिड़े दो पक्ष, एक युवक की गई जान, 14 संदेही हिरासत में

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में गणेश उत्सव के दौरान डीजे पर नाचने को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच मारपीट के दौरान तलवार, चाकू, लाठी-डंडे, लोहे की रॉड और पत्थर से हमला किया गया। हमले में गंभीर रूप से घायल शैलेष कुमार राठौर की इलाज के दौरान मौत हो गई।

परिवार के कई लोग घायल हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। उनका सिम्स में इलाज जारी है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस ने मामले में 14 संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतक की पत्नी ने कहा कि, मेरे बच्चे अनाथ हो गए। पति के हत्यारे को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। घटना मस्तूरी थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, रविवार रात करीब 10:30 से 11 बजे के बीच गतौरा के जनक पहरी इलाके में गणेश पंडाल में डीजे बज रहा था। इसी दौरान नाचने को लेकर विवाद शुरू हुआ। परिजनों के

मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच पहले से भी विवाद था। कुछ ही देर में कहासुनी मारपीट में बदल गई। आरोप है कि दूसरे पक्ष के लोगों ने परिवार के सदस्यों पर तलवार, चाकू समेत धारदार हथियारों, लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से हमला किया। पथराव किए जाने की बात भी सामने आई है।

हमले में शैलेष कुमार राठौर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना में मृतक के पिता व्यास नारायण राठौर और बड़े भाई रवि कुमार राठौर के घायल होने की जानकारी सामने आई है।

बीच-बचाव करने पहुंचे विक्रम राठौर और विकास राठौर के भी घायल होने की बात कही जा रही है। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है और उनका सिम्स में इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही मस्तूरी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले में 14 संदेहियों को हिरासत में लिया है। सभी से पूछताछ की जा रही है। परिजनों का दावा है कि हमले में करीब 13 से 15 लोग शामिल थे। हालांकि पुलिस जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि घटना में कौन-कौन शामिल था और किसकी क्या भूमिका रही।

एडिशनल एसपी ने मौके पर पहुंचकर की जांच

घटना की गंभीरता को देखते हुए सोमवार सुबह एडिशनल एसपी ग्रामीण मधुलिका सिंह भी गतौरा पहुंचीं। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पुलिस अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। पुलिस पुराने विवाद, डीज पर नाचने को लेकर हुए तत्काल विवाद और उसके बाद हुए हमले के पूरे घटनाक्रम को जोड़कर जांच कर रही है।

पत्नी ने आरोपियों को फांसी देने की मांग की

मृतक शैलेष राठौर की पत्नी ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए फांसी की सजा देने की मांग की है। वहीं, परिजनों और स्थानीय लोगों ने कुछ आरोपियों के कथित अवैध कब्जे पर बने होटल के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई की मांग भी की है।

बिलासपुर में बाइक की टक्कर से 2 युवकों की मौत, दो लोगों की हालत गंभीर हालत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के रतनपुर थाना क्षेत्र में बाइक की टक्कर से 2 युवकों की मौत हो गई। जबकि, बाइक सवार 2 युवक गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाइक सवार चार युवक तेज बारिश के बीच जा रहे थे। तभी आमने-सामने से उनकी भिड़ंत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, ग्राम पुडु निवासी संजीव पैकरा (08) पिता संतोष पैकरा रविवार की शाम अपने दोस्त अमन के साथ बाइक पर सवार होकर किसी काम से निकला था। इस दौरान तेज बारिश भी हो रही थी। दोनों युवक गांव के बाहर पहुंचे थे।

इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक से उनकी बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि संजीव की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक पर पीछे बैठे अमन को गंभीर चोटें आईं।

वहीं, दूसरी बाइक को चला रहे विशेष कुमार पैकरा (18) भी इस हादसे में गिर कर सड़क से दूर छिटक गया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आई और उसकी भी मौके पर ही मौत हो गई। उसके साथ बाइक पर बैठे रमन सिंह पैकरा गंभीर रूप से घायल हो गया। इस हादसे के बाद गांव के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। मृतकों के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे। किसी ग्रामीण ने हादसे की सूचना डायल 112 को दी। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल, पुलिस दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है।

उधारी के रुपए को लेकर विवाद, लौटाने के बाद भी मांगे ज्यादा पैसे, तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई में उधार दिए 20 हजार रुपए और ब्याज की रकम चुकाने के बाद भी अतिरिक्त रुपए मांगने और इसके लिए महिला व उसके बेटे के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि रुपए देने से मना करने पर महिला को उसके बेटे के साथ एक घर ले जाया गया। वहां तीन लोगों ने दोनों के साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ-मुक्के और डंडे से मारपीट की।

मामले में भिलाई भट्ठी पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में पूजा राव उर्फ वेंकट लक्ष्मी राव (42),

चंदन राव (25) और प्रवीण शर्मा (48) शामिल हैं। तीनों सेक्टर-1, सड़क 15, क्वार्टर नंबर 10 बी, भिलाई के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के घर से महिला का एक कोरा चेक और उससे जुड़े दस्तावेज भी बरामद किए हैं। तीनों को 20 सितंबर को गिरफ्तार करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पति के इलाज के लिए लिए थे 20 हजार पुलिस के मुताबिक सुपेला निवासी रेखा ताण्डी ने 19 सितंबर को भिलाई भट्ठी थाने में शिकायत दर्ज कराई। महिला ने बताया कि उसके पति की तबीयत खराब थी। इलाज के लिए उसने पूजा राव से 20 हजार रुपए उधार लिए थे।

शिकायत के मुताबिक इस रकम के बदले साप्ताहिक ब्याज मांगा जा रहा था। महिला का आरोप है कि उसने मूल रकम के साथ ब्याज की रकम भी चुका दी थी। इसके बाद भी उससे और रुपए मांगे जाने लगे। जब उसने एकमुश्त रकम देने में असमर्थता जताई तो मामला मारपीट तक पहुंच गया।

पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने घटना में शामिल होना स्वीकार किया। इसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

बीएसपी में कॉपर वायर चोरी का मामला, फरार चल रहे दो और आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भिलाई स्टील प्लांट के जंक्शन-12, कोक ओवन क्षेत्र में कॉपर वायर चोरी के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी ग्राम जोरातराई के रहने वाले हैं। पुलिस ने पूछताछ के बाद निखिल कुमार साहू (20) और किशन ठाकुर (22) को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस मामले में पुलिस पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। उनके कब्जे से 160 किलो कॉपर वायर और एक मोबाइल फोन समेत 47 हजार रुपए की सामग्री बरामद की गई थी।

मामला 12 अगस्त की रात का है। भिलाई स्टील प्लांट के जंक्शन-12, कोक ओवन क्षेत्र की गैलरी से कुछ लोग कॉपर वायर चोरी कर ले जाने की कोशिश कर रहे थे। उस समय ड्यूटी पर तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की टीम

ने कुछ आरोपियों को चोरी के सामान के साथ पकड़ लिया था। इसके बाद 13 अगस्त को भिलाई भट्ठी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई और पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने ग्राम जोरातराई में दबिश देकर घनश्याम मंडावी सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनके कब्जे से 160 किलो कॉपर वायर बरामद हुआ था। इसकी कीमत करीब 40 हजार रुपए बताई गई है। इसके अलावा 7 हजार रुपए कीमत का एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया था। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

लंबे समय से चल रहे थे फरार पुलिस को इस घटना में शामिल दो अन्य आरोपियों के बारे में जानकारी मिली। घटना के बाद से दोनों फरार चल रहे थे। पुलिस लगातार उनकी तलाश कर रही थी। इसी दौरान 20 सितंबर को पुलिस टीम ने ग्राम जोरातराई क्षेत्र में दबिश देकर निखिल कुमार साहू और किशन ठाकुर को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने प्लांट में हुई चोरी की घटना में शामिल होना स्वीकार किया।

इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस के अनुसार आरोपी रात के समय भिलाई स्टील प्लांट की सुरक्षा व्यवस्था से बचते हुए दीवार फांदकर परिसर में दाखिल हुए थे। इसके बाद कॉपर वायर और दूसरी सामग्री चोरी करने की कोशिश की गई। मामले में पहले पकड़े गए आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में कॉपर वायर मिलने के बाद पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी थी।

एक महीने से गायब थी बहन, भाई घर पहुंचा तो खुला खौफनाक राज, सेप्टिक टैंक में मिला सड़ा हुआ शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के बरपाली में लिव-इन पार्टनर संतोषी की कथित हत्या कर शव सेप्टिक टैंक में छिपाने का मामला सामने आया है। सनसनीखेज मामला श्यांग थाना क्षेत्र के ग्राम बरपाली का है। यहां मनोज उरांव रहता है। उसके साथ करीब दो साल से 33 वर्षीय संतोषी पत्नी के रूप में रह रही थी। बताया जा रहा है कि मनोज नशे का आदी था और सनकी किस्म का था। जानकारी के मुताबिक, 27 अगस्त को मनोज नशे की हालत में घर पहुंचा। किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। मनोज ने संतोषी की जमकर पिटाई कर दी।

आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। हालांकि, देर शाम मनोज ने दोबारा

संतोषी के साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। महिला की मौत के बाद आरोपी ने शव को घर की बाड़ी में बने सेप्टिक टैंक में डाल दिया और उसका ढक्कन बंद कर दिया। अगले दिन 28 अगस्त को रक्षाबंधन था। संतोषी के घर नहीं पहुंचने पर उसके भाइयों ने मनोज से संपर्क किया। मनोज ने संतोषी के एक दिन पहले ही घर से चले जाने की बात कहकर उन्हें गुमराह कर दिया। कई दिन बीतने के बाद भी जब संतोषी घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की।

शनिवार को भाई रामभरोस सहित अन्य परिजन मनोज के घर पहुंचे। बाड़ी की ओर जाने पर सेप्टिक टैंक का ढक्कन अधखुला मिला और वहां से दुर्गंध आ रही थी। इससे परिजनों को संदेह हुआ और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर श्यांग थाना प्रभारी लक्ष्मण खूंटे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। रविवार सुबह कार्यपालिक दंडाधिकारी की मौजूदगी में सेप्टिक टैंक खोला गया। अंदर से सड़ी-गली लाश बरामद हुई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फॉरेंसिक एक्सपर्ट और मेडिकल कॉलेज की टीम भी मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर जरूरी सैंपल लिए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद महिला की मौत से जुड़े कई तथ्यों का खुलासा होने की उम्मीद है।

हेरोइन के साथ पकड़ाई महिला, 22 लाख का मशरुका बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। खुर्सीपार पुलिस ने जोन 3, जीरो स्ट्रीट स्थित मकान में कार्रवाई कर 70.460 ग्राम हेरोइन बरामद किया है। हेरोइन की अनुमानित कीमत 14 लाख रुपए से ज्यादा बताई जा रही है। साथ ही इसकी बिक्री रकम 2,35,100, सोने-चांदी के आभूषण, बर्तन, मोबाइल द्वय्तोन एवं इलेक्ट्रॉनिक तराजू भी पुलिस ने बरामद किया है।

मिली जानकारी के अनुसार खुर्सीपार पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि जोन क्रमांक 03, जीरो स्ट्रीट, खुर्सीपार, भिलाई स्थित मकान में अवैध रूप से मादक पदार्थ हेरोइन का विक्रय किया जा रहा है। सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी एवं आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस टीम को देखकर मौके पर उपस्थित महिला द्वारा भागने का प्रयास किया गया, जिसे पुलिस टीम द्वारा पकड़ लिया गया। मौके पर उपस्थित अन्य व्यक्तियों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ एवं विधिवत तलाशी कार्रवाई की गई।

तलाशी के दौरान मादक पदार्थ हेरोइन, नगदी रकम, सोने-चांदी के आभूषण एवं बर्तन, मोबाइल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद किए गए। बरामद मादक पदार्थ का कुल वजन 70.460 ग्राम, जिसकी अनुमानित कीमत 14,09,200/- है। इसके अतिरिक्त 2,35,100/- नगदी, सोने के 19 नग आभूषण, चांदी के आभूषण एवं बर्तन, 08 नग मोबाइल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक तराजू जप्त किया गया।

प्रकरण में उपलब्ध साक्ष्यों एवं की गई वैधानिक कार्रवाई के आधार पर थाना खुर्सीपार में अपराध क्रमांक 431/2026, धारा 8, 21(ख), 27 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण में तीन वयस्क आरोपियों को दिनांक 20.09.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया। दो विधि से संघर्षरत बालकों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें बाल संप्रेषण गृह भेजा गया।

उक्त कार्रवाई में थाना खुर्सीपार पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम द्वारा मुखबिर सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर घेराबंदी, तलाशी एवं आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई तथा मादक पदार्थ एवं अन्य सामग्री जप्त कर प्रकरण में विधिसम्मत कार्रवाई की गई।

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार अथवा किसी भी संदिग्ध एवं आपराधिक गतिविधि की जानकारी तत्काल निकटतम पुलिस थाना अथवा पुलिस को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आरोपियों के नाम

जसबीर कौर उर्फ सोनू, उम्र 25 वर्ष, नितेश सोनी, उम्र 32 वर्ष, तिरकेश निषाद, उम्र 21 वर्ष, 02 विधि से संघर्षरत बालक।

नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास, आरोपी गिरफ्तार

एमसीबी। कोटडोल थाना क्षेत्र में नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ और दुष्कर्म के प्रयास के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। 19 सितंबर 2026 को थाना क्षेत्र में नाबालिग बालिका के साथ आरोपी द्वारा जबरदस्ती कपड़े उतारने और दुष्कर्म का प्रयास करने के साथ अश्लील हरकत किए जाने की सूचना मिली थी। थाना प्रभारी कोटडोल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपी हीरालाल को गिरफ्तार कर लिया। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 76, पॉक्सो अधिनियम की धारा 8, 18 तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई।

41 वां अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह

ओडिशी, भरतनाट्यम और कथक से सजा सातवें दिन का मंच

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। 41वें चक्रधर समारोह-2026 की सातवीं सांस्कृतिक संध्या में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के नृत्य संकाय के विद्यार्थियों ने ओडिसी, भरतनाट्यम और कथक की मनोहारी प्रस्तुतियों से मंच को शास्त्रीय नृत्य के विविध रंगों से सजा दिया। भाव, लय, ताल और नृत्य मुद्राओं के सुंदर समन्वय ने समारोह में मौजूद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत ओडिसी नृत्य विभाग के विद्यार्थियों की 'गणेश वंदना' से हुई। 'एकदन्तो लम्बोदरो विघ्नविनाशको देवः' की भावपूर्ण प्रस्तुति में जया निर्मलकर, सुधा योजन, प्रज्ञा प्रसाद, मीरा वर्मा, दुर्गा प्रसाद, लीना धनकर और रिकी टुडू ने नृत्य मुद्राओं के माध्यम से भगवान गणेश की आराधना को जीवंत किया। प्रस्तुति का नृत्य निर्देशन सुशांत कुमार दास ने किया।

इसके बाद भरतनाट्यम विभाग के विद्यार्थियों ने 'नृत्यांजलि' प्रस्तुत कर शास्त्रीय नृत्य की भाव-भंगिमाओं और लयकारी का मनोहारी प्रदर्शन किया। लावण्या आनंद द्वारा रचित इस प्रस्तुति का नृत्य संयोजन डॉ. मेदिनी होम्बल एवं श्री होरिल गौर ने किया। प्रस्तुति में होरिल गौर, प्रीति चौधरी, खुशबू भुमिज, अनुकृति सिंह, अवनि जैन, अदिति शर्मा, अंजलि चौहान और यामिनी निषाद ने सहभागिता की।

संध्या की प्रमुख प्रस्तुतियों में 'भारत के रंग' ने विशेष आकर्षण पैदा किया। भरतनाट्यम, कथक और ओडिसी जैसी शास्त्रीय नृत्य शैलियों के माध्यम से 'वंदे मातरम्' की भावभूमि को मंच पर साकार किया गया। अलग-अलग नृत्य शैलियों की विशिष्ट मुद्राओं और लय के साथ देश की सांस्कृतिक विविधता की सुंदर झलक प्रस्तुत हुई। इसका नृत्य निर्देशन सुशांत कुमार दास तथा सह-निर्देशन होरिल गौर ने किया।

कार्यक्रम के अगले क्रम में कथक विभाग के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने स्वर्गीय पं. बिरजू महाराज द्वारा राग हंसध्वनि और तीनताल में रचित 'निरतत शंकर पार्वती संग' पर आधारित शिव वंदना प्रस्तुत की। कथक की लयकारी, पद संचालन और भावाभिव्यक्ति के माध्यम से भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य स्वरूप को मंच पर साकार किया गया।

वेदों के आध्यात्मिक दर्शन को ओडिसी नृत्य में साकार किया गुरु रीला होता एवं समूह ने

सुप्रसिद्ध ओडिसी नृत्यांगना एवं गुरु रीला होता एवं समूह ने 'एकोऽहम् बहुस्याम्' की भावपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभूति से सराबोर कर दिया। नृत्य, संगीत और भाव-अभिव्यक्ति के सुंदर समन्वय से सजी इस प्रस्तुति में वैदिक ज्ञान, भारतीय जीवन-दर्शन और आध्यात्मिक चेतना को प्रभावी ढंग से मंच पर प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति का आरंभ मंगलाचरण से हुआ, जिसमें अग्नि, जल और परमात्मा को समर्पित पावन स्तुति के माध्यम से सृष्टि के मूल तत्वों और दिव्य चेतना का भाव प्रस्तुत किया गया। इसके बाद गृहस्थ आश्रम के माध्यम से पारिवारिक जीवन, नारी सम्मान और सामाजिक सामंजस्य की अवधारणा को नृत्य के जरिए अभिव्यक्त किया गया। प्रस्तुति के अंतिम चरण में संन्यास एवं मोक्ष के माध्यम से जीवात्मा और परमात्मा के एकाकार होने की आध्यात्मिक यात्रा को साकार किया गया। 'एकोऽहम् बहुस्याम्' अर्थात् 'मैं एक हूं और अनेक रूपों में व्यक्त हूं' के वैदिक भाव ने पूरी प्रस्तुति को विशेष आध्यात्मिक गहराई प्रदान की। गुरु रीला होता ने आठ वर्ष की आयु से योग और ओडिसी का प्रशिक्षण प्रारंभ किया। वे 'रेज ऑफ विजडम सोसाइटी' की संस्थापक निदेशक हैं और ओडिसी नृत्य के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उन्हें संस्कृति मंत्रालय की वरिष्ठ फेलोशिप सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। प्रस्तुति की अवधारणा, आलेख एवं नृत्य-रचना गुरु विजयलक्ष्मी होता की रही, जबकि संगीत में पद्म विभूषण पंडित राजन-साजन मिश्र एवं स्वरांश मिश्र का योगदान रहा।

गौरीशंकर दाश ने बिखेरी ओडिशी की छटा

प्रख्यात ओडिशी कलाकार गौरीशंकर दाश ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गौरीशंकर ने अपनी यात्रा ओडिसी संगीत से शुरू की और पद्मभूषण गुरु केलुचरण महापात्र के सान्निध्य में ओडिसी नृत्य की शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने ओडिसी संगीत, ओडिसी नृत्य और ओड़िया साहित्य में स्नातकोत्तर उपाधि हासिल की है। उनकी कला साधना को राज्य संगीत नाटक अकादमी युवा पुरस्कार, उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ युवा प्रतिभा पुरस्कार के लिए चयन तथा संस्कृति मंत्रालय की राष्ट्रीय वरिष्ठ छात्रवृत्ति एवं कनिष्ठ फेलोशिप जैसे सम्मानों से पहचान मिली है। वे आईसीसीआर के सूचीबद्ध तथा दूरदर्शन के अनुमोदित कलाकार भी हैं।

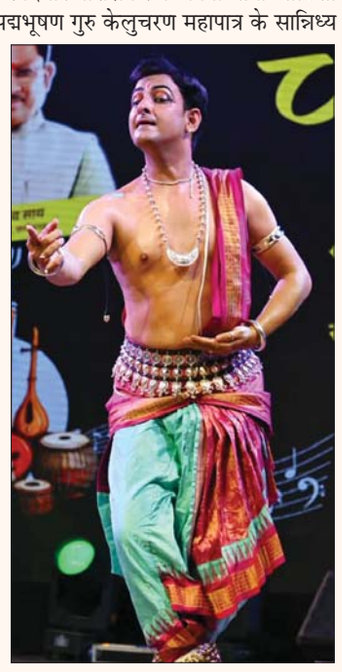

मंजुला मूर्ति के मोहिनीअट्टम ने मोह लिया मन

सुप्रसिद्ध मोहिनीअट्टम नृत्यांगना मंजुला मूर्ति ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लय, ताल, भाव और नृत्य की सुंदर संगति से सजी उनकी प्रस्तुति में मोहिनीअट्टम की शास्त्रीय गरिमा और सौंदर्य प्रभावी रूप से देखने को मिला। मंजुला मूर्ति पद्मश्री गुरु भारती शिवाजी की वरिष्ठ शिष्या हैं तथा गुरु स्वर्गीय कल्याणी कुट्टी अम्मा से भी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी हैं। नृत्यग्राम में उन्होंने नौ वर्षों तक गुरुकुल परंपरा में गहन प्रशिक्षण लिया। उन्हें संगीत नाटक अकादमी बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने जर्मनी, जापान, रूस, अमेरिका, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका और डेनमार्क जैसे देशों में प्रस्तुतियां दे चुकी हैं।

अन्विता ने दी कथक की सुंदर प्रस्तुति

12 वर्षीय कथक नृत्यांगना अन्विता विश्वकर्मा ने लखनऊ घराने की कथक शैली में भाव, लय, ताल, तत्कार और पद-संचालन का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया। रायपुर के दिल्ली पब्लिक स्कूल की कक्षा 8वीं की छात्रा अन्विता ने महज 3 वर्ष की उम्र से कथक का प्रशिक्षण प्रारंभ किया। गुरु श्रीमती अंजनी ठाकुर से उन्होंने कथक की बारीकियां सीखीं। प्लेस्कूल की नृत्य प्रतियोगिता में उन्होंने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। श्रीलंका, नेपाल और वियतनाम में भी अपनी कला का प्रदर्शन किया है। अखिल भारतीय सांस्कृतिक संघ की प्रतियोगिता में उन्होंने चेयरमैन अवार्ड तथा लोकनृत्य में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। दूरदर्शन पर उनके नृत्य और साक्षात्कार का प्रसारण भी हो चुका है।

भाव, लय और ताल से सजी आशना की प्रस्तुति

चक्रधर समारोह की छठवीं सांस्कृतिक संध्या में कथक नृत्यांगना आशना दिल्लीवार ने भाव, लय और ताल से सजी मनमोहक प्रस्तुति दी। उन्होंने कथक की विभिन्न मुद्राओं, पद-संचालन और भाव-भंगिमाओं के माध्यम से दर्शकों को शास्त्रीय नृत्य की विविधता और सुंदरता से परिचित कराया। उनकी प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों से उत्साहवर्धन किया। संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन से 'बी प्लस ग्रेडेड' कथक कलाकार के रूप में मान्यता प्राप्त आशना देश-विदेश के करीब 95 मंचों पर कथक प्रस्तुत कर चुकी हैं। उन्होंने दुबई, काठमांडू, कोलंबो और हनोई सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति दी है।

10 साल की श्रीनिका की प्रस्तुति ने मोहा दर्शकों का मन

रायगढ़ जिले में आयोजित चक्रधर समारोह-2026 की सांस्कृतिक संध्या में मात्र 10 वर्ष की नन्ही कथक नृत्यांगना कु. श्रीनिका ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत लिया। कम उम्र से ही कथक की साधना कर रहीं श्रीनिका निरंतर अभ्यास और समर्पण के साथ इस शास्त्रीय कला को सीख रही हैं। श्रीनिका की प्रस्तुति में कथक की भाव-भंगिमा, लय और ताल का सुंदर समन्वय देखने को मिला। उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास ने दर्शकों को विशेष रूप से प्रभावित किया। श्रीनिका ने मधुगुंजन, केरल समाजम् प्रतियोगिता, गीतांश उत्सव, कौशिकी, कथक दिवस, प्रणव्यम और अमृत ध्वनि सहित विभिन्न आयोजनों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कई प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किए हैं। कलावंत, रायपुर में प्रथम पुरस्कार के साथ मिला 'कलावंत सम्मान' उनकी प्रमुख उपलब्धियों में शामिल है।

शिव वंदना में अश्विका ने बिखेरी कथक की छटा

रायगढ़ जिले में आयोजित 41वें अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह-2026 की सातवीं सांस्कृतिक संध्या में युवा कथक नृत्यांगना कुमारी अश्विका साव ने लखनऊ घराने की कथक शैली में मनोहारी एकल प्रस्तुति दी। भगवान शिव को समर्पित शिव वंदना में उन्होंने भाव, लय, तत्कार और नृत्य मुद्राओं के माध्यम से शंभू, शंकर, भोलेनाथ, नीलकंठ एवं नटराज स्वरूप की सुंदर अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। उनकी प्रस्तुति को दर्शकों ने तालियों से सराहा। डीपीएस एनटीपीसी कोरबा की छात्रा अश्विका साव गुरु रंजीत नायक के मार्गदर्शन में कथक का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। लखनऊ घराने की नजाकत, नफासत, भावपूर्ण अभिनय, सटीक लयकारी और आकर्षक चक्करों ने उनकी प्रस्तुति को प्रभावशाली बनाया। अश्विका थाईलैंड, दुबई और मलेशिया में भी कथक की प्रस्तुतियां दे चुकी हैं। इसके अलावा पाली महोत्सव, रामगढ़ महोत्सव, मैनपाट महोत्सव, सिरपुर महोत्सव, छत्तीसगढ़ राज्योत्सव, ओडिशा फेस्टिवल और चक्रधर समारोह में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं। उन्हें 2026 में 'नृत्य उदिता सम्मान' एवं 'चेतना नृत्य शिरोमणि सम्मान' तथा 2025 में 'भारतीय नृत्य कलाश्री पुरस्कार' और 'छत्तीसगढ़ गौरव रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया है। उनकी प्रस्तुति ने चक्रधर समारोह के मंच पर युवा प्रतिभा और शास्त्रीय कथक की सुंदर छटा बिखेरी।

माही केसरवानी की भरतनाट्यम प्रस्तुति में दिखा भाव और लय का सुंदर संगम

रायगढ़ में आयोजित 41 वें चक्रधर समारोह-2026 की सांस्कृतिक संध्या में रायगढ़ की युवा नृत्य प्रतिभा कुमारी माही केसरवानी ने भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी। माही पिछले पांच वर्षों से छंदम डांस एकेडमी, रायगढ़ से भरतनाट्यम का प्रशिक्षण ले रही हैं। उन्होंने स्थानीय, राज्य एवं अखिल भारतीय स्तर पर विभिन्न मंचों पर प्रस्तुतियां दी हैं और अनेक पुरस्कार प्राप्त किए हैं। कार्यक्रम में उन्होंने भाव, लय और ताल के सुंदर समन्वय से भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी, जिसे दर्शकों ने सराहा।

आद्या अग्रवाल ने दी कथक की मनमोहक प्रस्तुति

रायगढ़ जिले के चक्रधर समारोह-2026 की छठवीं सांस्कृतिक संध्या में युवा कथक नृत्यांगना आद्या अग्रवाल ने कथक की मनमोहक प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति में भाव, लय और ताल का सुंदर संगम देखने को मिला।

आज की प्रस्तुति में सुश्री निहारिका यादव ने पढ़ंत, श्री लालाराम लोनिया ने गायन तथा श्री दीपक साहू ने तबले पर संगत की। नृत्य निर्देशन गुरु श्री शरद वैष्णव का रहा। कक्षा 9वीं की छात्रा आद्या रायगढ़ कथक घराने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अपने गुरु श्री शरद वैष्णव के मार्गदर्शन में कथक की शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। आद्या ने रायगढ़ सहित कटक, उज्जैन, दार्जिलिंग और बिलासपुर के विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों में प्रस्तुति दी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950